प्रधानमंत्री 21-22 मार्च, 2024 को भूटान की यात्रा

लोकशक्ति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI Regn. No.7789/1964

जनवरी 2024 के दौरान देश में खनिज उत्पादन 5.9 प्रतिशत बढ़ा

वर्ष-60 › अंक -83 रायपुर गुरूवार 21 मार्च 2024 शुक्लपक्ष विक्रम संवत 2080 पृष्ठ 8 › मूल्य : 2 रू डाक पंजीयन : C.G/RYP DN/71/2023-25

प्रधानमंत्री ने रूस-यूक्रेन संघर्ष के संभावित समाधान के रूप में बातचीत पुतिन से की

एजेंसी।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज रूसी संघ के राष्ट्रपति महामहिम श्री व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। प्रधानमंत्री ने उन्हें रूसी संघ के राष्ट्रपति के रूप में फिर से चुने जाने पर बधाई दी और रूस के मैत्रीपूर्ण लोगों की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए शुभकामनाएं दीं। दोनों नेता आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में ठोस प्रयास करने पर सहमत हुए। रूस-यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री इसके संभावित समाधान के लिए भारत की बातचीत और कूटनीति की दृढ़ स्थिति को दोहराया।

स्टार्टअप महाकुंभ में मोदी बोले :

भारत की स्टार्टअप क्रांति का नेतृत्व देश के छोटे शहरों के युवा कर रहे

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत मंडपम में 'स्टार्टअप महाकुंभ' में शामिल हुए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, देश ने स्टार्ट अप इंडिया अभियान के तहत इनोवेटिव आइडिया को एक प्लेटफॉर्म दिया, उन्हें फंडिंग के सोर्स से कनेक्ट किया... इससे आज पूरा देश गर्व से कह सकता है कि हमारा स्टार्ट अप इकोसिस्टम सिर्फबड़े मेट्रो शहर तक सीमित नहीं है। भारत की स्टार्ट अप क्रांति का नेतृत्व देश के छोटे शहरों के युवा कर रहे हैं।

स्टार्टअप महाकुंभ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हर क्षेत्र में नौजवान आइडिया लेकर आते हैं। कम से कम रिक्वायरमेंट के साथ वे काम करते हैं और इसी ने इसकी ताकत बढ़ाई है,और यही सपने हैं, यही शक्ति है,इसलिए लोग कहते हैं, मैं इसे नष्ट करूंगा। मोदी ने कहा, ÷हर क्षेत्र में नौजवान आइडिया लेकर आते हैं... कम से कम रिक्वायरमेंट के साथ वे काम करते हैं और इसी ने इसकी ताकत बढ़ाई है... और यही सपने हैं, यही शक्ति है... इसलिए लोग कहते हैं, मैं इसे नष्ट करूंगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ÷... 2047 के विकसित भारत के रोडमैप पर काम कर रहा है, ऐसे समय में स्टार्ट अप महाकुंभ का कई महत्व है। बीते दशकों में भारत ने IT और सोफ्टवेयर सेक्टर में अपनी छाप छोड़ी है। अब हम भारत में इनोवेशन और स्टार्टअप कल्चर का ट्रेंड लगातार बढ़ता हुआ देख रहे हैं।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, ÷स्टार्टअप महाकुंभ भारत के अभिनव प्रतिभा, कैन डू स्पिरिट और प्रभाव करने की प्रबल इच्छा शक्ति का एक प्रतीक है। 21वीं सदी स्टार्टअप की सदी है और स्टार्टअप इसे भारत की सदी बनाएगा, ये मेरा पक्का विश्वास है।

'कुछ को बार-बार करना पड़ता है लॉन्च', जब स्टार्टअप महाकुंभ में मोदी ने राहुल पर कसा तंज -

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि स्टार्टअप लॉन्च तो बहुत लोग करते हैं राजनीति में तो ये बहुत ज्यादा होता है और बार बार लॉन्च करना पड़ता है। आप में और उनमें फर्क ये है कि आप लोग प्रयोगशील होते हैं एक अगर लॉन्च नहीं हुआ तो तुरंत दूसरे पर चले जाते हैं।

'पूरी दुनिया देख रही भारत की युवा शक्ति का सामर्थ्य' उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष के 50 से अधिक सेक्टर्स में भारत के स्टार्टअप्स बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हमारे स्टार्टअप अंतरिक्ष शटल लॉन्च करने लगे हैं। भारत की युवा शक्ति का सामर्थ्य आज पूरी दुनिया देख रही है। इस सामर्थ्य पर भरोसा करते हुए देश ने स्टार्टअप इकोसिस्टम निर्माण की तरफअनेक कदम उठाए हैं।

मैं AI की लेता हूं मदद- पीएम मोदी

स्टार्टअप महाकुंभ में पीएम मोदी ने कहा- 'अब हम AI तकनीक से जुड़े एक नए युग में हैं। मैं AI की काफी मदद लेता हूं, जब चुनावी अभियान में भाषा की बाधा आती है तो मैं AI का सहारा लेकर हर भाषा में लोगों तक अपनी बात पहुंचाता हूं।'

भारत ने सही समय पर लिए सही निर्णय'

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि भारत आज अगर ग्लोबल स्टार्ट-अप स्पेस के लिए नई उम्मीद, नई ताकत बनकर उभरा है, तो इसके पीछे एक सोचा समझा विजन रहा है। भारत ने सही समय पर सही निर्णय लिए हैं।

कांग्रेस की नाव में छेद है, इसलिए लोग छोड़ रहे हैं : विष्णुदेव साय

रायपुर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बुधवार को बस्तर संभाग के दौरे पर हैं। रायपुर हेलीपेड से दंतेवाड़ा रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि आज वे दंतेवाड़ा से चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगे। इससे पहले वे दंतेवाड़ा में मां दंतेश्वरी का दर्शन पूजन कर आशीर्वाद लेंगे। कांग्रेस में घमासान और प्रत्याशी चयन में देर को लेकर सीएम साय ने कटाक्ष किया। कहा कि कांग्रेस में बिखराव है। वह डूबती नाव की तरह है। कांग्रेस की नाव में छेद हो रहा, पानी भर रहा है। इसलिए लोग कांग्रेस छोड़कर जा रहे हैं। कांग्रेस में इतना बिखराव है कि पूर्व मुख्यमंत्री के के सामने ही कार्यकर्ताओं की नाराजगी देखी जा रही है। कांग्रेस के कार्यकर्ता इतना पीड़ित हैं कि उनके सामने बोलना पड़ रहा कि 5 साल में आपने कार्यकर्ताओं को पूछा नहीं।

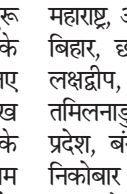

45 दिनों तक चलेगी अमरनाथ यात्रा, लोकसभा इलेक्शन की वजह से घटायी गयी अवधि

एजेंसी।

भारत में लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। चुनाव आयोग ने तारीखों का ऐलान कर दिया है। राजनीतिक दल भी सोशल मीडिया से लेकर डोर-टू-डोर प्रचार अभियान में जोर-शोर के साथ जुट गए हैं। इसी बीच, लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अमरनाथ की यात्रा की अवधि को घटा दिया गया है।

इस बार अमरनाथ यात्रा 2 महीने की जगह केवल 45 दिनों तक ही चलेगी। बता दें राजभवन में शाम चार बजे अमरनाथ श्राइन बोर्ड के चेयरमैन एवं उप राज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में बैठक बुलाई गई थी। इसमें सभी सदस्यों को बुलाया गया था। 15 अप्रैल में यात्रा की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू होगी। जम्मू-कश्मीर के कुछ तय किए गए अस्पतालों में यात्रियों के लिए

हेल्थ सर्टिफिकेट भी जारी किए जाएंगे। पारंपरिक बालटाल और पहलगाम रास्ते से रोजाना 10-10 हजार यात्रियों को पवित्र गुफा की ओर रवाना करने की इजाजत दी जाती है। देशभर की 500 से ज्यादा बैंक शाखाओं में ऑफ लाइन यात्री रजिस्ट्रेशन होता है।

सात चरणों में होंगे लोकसभा इलेक्शन - भारत में 2024 के लोकसभा चुनाव सात अलग-अलग चरणों में होंगे। यह 19 अप्रैल से शुरू होकर 1 जून तक चलेंगे। चुनाव आयोग ने पिछले हफ्ते इलेक्शन कार्यक्रम की घोषणा की थी। 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पहले चरण में, 13 राज्यों में दूसरे चरण में, 12 राज्यों में तीसरे चरण में, 10 राज्यों में चौथे चरण में, आठ राज्यों में पांचवें चरण में, सात राज्यों में छठे चरण में और आठ राज्यों में आखिरी चरण में मतदान होगा। इनका रिजल्ट चार जून को आएगा।

अमरनाथ में यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाने का काम जारी

आगामी अमरनाथ यात्रा के दौरान बाबा के श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ाने के लिए सुविधाओं को बढ़ाया जा रहा है। यात्रियों के रहने के लिए श्रीनगर में निर्माण का काम चल रहा है।

यात्रा के दौरान बरसात के चलते जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे का बंद रहना बहुत बड़ी चुनौती है। इस बार ऐसे हालात में हजारों यात्रियों को जम्मू से श्रीनगर तक रास्ते में ठहराने के लिए उचित व्यवस्थाओं का इंतजाम किया जा रहा है। पिछले साल की यात्रा के दौरान रिकॉर्ड भक्तों ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए थे।

साझी आध्यात्मिक विरासत को मजबूती देने भूटान जायेंगे मोदी

एजेंसी।

भारत और भूटान के बीच आपसी विश्वास, समझ एवं सद्भावना पर आधारित एक अनूठी व स्थायी साझेदारी है। हमारी साझी आध्यात्मिक विरासत और दोनों देशों के लोगों के बीच मधुर संबंध हमारे असाधारण संबंधों में घनिष्ठता एवं जीवंतता का समावेश करते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 21-22 मार्च 2024 के दौरान भूटान की राजकीय यात्रा करेंगे। यह यात्रा भारत और भूटान के बीच नियमित रूप से होने वाली उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा और सरकार की 'पड़ोसी प्रथम की नीति' पर जोर देने की कवायद के अनुरूप है।

102 सीटों पर नामांकन प्रक्रिया शुरू, 19 अप्रैल को मतदान

नई दिल्ली एजेंसी।

लोकसभा चुनावों का ऐलान चंद दिन पहले हो चुका है। अब पहले चरण के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। पहले चरण में होने वाले 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 102 सीटों पर नामांकन प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 102 सीटों के लिए नामांकन करने की आखिरी तारीख 27 मार्च है। हालांकि, बिहार के लिए नामांकन करने की अंतिम तारीख 28 मार्च रखी गई है। जबकि नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख 30 मार्च है। इसके अलावा बिहार में नामांकन वापस लेने के लिए दो अप्रैल की तारीख निर्धारित है। हालांकि, एक त्योहार के कारण बिहार में पहले चरण में होने वाले लोकसभा सीटों के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 28 मार्च रखी गई है। बिहार की 40 में से चार सीटों पर पहले चरण में मतदान होगा। दरअसल, पहले चरण में जिन 21 राज्यों की 102 सीटों पर चुनाव होगा। उनमें पुडुचेरी, मिजोरम, मेघालय, मध्य प्रदेश, मणिपुर, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बंगाल, नगालैंड, अंडमान निकोबार शामिल हैं। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होगा। 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव 19 अप्रैल को शुरू होंगे और उसके बाद 26 अप्रैल, 7 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को सात अलग-अलग चरणों में चुनाव होंगे।

लोकसभा चुनाव से पहले ED का बड़ा एक्शन

आरजेडी के अध्यक्ष लालू प्रसाद के करीबी विधायक के ठिकानों पर ताबड़तोड़ Raid

बक्सर

लोकसभा चुनाव के नजदीक आते ही ईडी ने भी ताबड़तोड़ छापामारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में ईडी ने बक्सर जिले के अंतर्गत ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय जनता दल के विधायक शंभू नाथ सिंह यादव और उनसे जुड़े लोगों के ठिकाने पर ताबड़तोड़ छापामारी की। सूचना के अनुसार बक्सर जिले के सदर, सिमरी, ब्रह्मपुर और चक्की प्रखंड क्षेत्र में विधायक से जुड़े कम से कम सात ठिकानों पर ईडी की टीम पहुंची है।

बता दें कि विधायक का

पैतृक आवास चक्की प्रखंड मुख्यालय में है। यहां उनका आटा मिल और एक बड़ा निजी स्कूल भी चलता है। एक बड़े अस्पताल का विधायक यहां निर्माण करा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ईडी की टीम सुबह 4:00 बजे ही चक्की पहुंच गई थी।

ब्रह्मपुर के विधायक राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के काफी करीबी माने जाते रहे हैं। लालू अक्सर उनके निजी आयोजनों में शामिल होने आते रहे हैं। कुछ महीने पहले विधायक के बेटे की शादी में भी राजद अध्यक्ष चक्की पहुंचे थे और यहां अच्छा वक्त भी गुजारा था।

वीरांगना अवंती बाई की पुण्यतिथि के अवसर पर सांसद संतोष ने दी श्रद्धांजली

लोकशक्ति।

सांसद संतोष पांडे ने अपने सोशल मीडिया हैंडल में लिखा : आज ग्राम अछोली में आयोजित राज्य स्तरीय लोधी समाज सम्मलेन एवं राज्य कार्यकारिणी शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित हुआ और समाज के सम्मानीय सदस्यों से भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा समस्त नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। इस अवसर पर महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीरांगना अवंती बाई लोधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। छत्तीसगढ़ के विकास में लोधी समाज का योगदान अतुलनीय है।

सद्गुरु जग्गी वासुदेव की इमरजेंसी ब्रेन सर्जरी, गंभीर सिरदर्द से जूझ रहे थे

एजेंसी। ईशा फाउंडेशन के सद्गुरु जग्गी वासुदेव की दिल्ली के एक अस्पताल में आपातकालीन ब्रेन सर्जरी कराई गई. ईशा फाउंडेशन के सद्गुरु की ब्रेन सर्जरी से पहले उनकी जान को खतरा था. सद्गुरु बीते चार हफ्ते से गंभीर सिरदर्द का अनुभव कर रहे थे. डॉक्टरों को पता था कि उनके मस्तिष्क में भारी रक्तस्राव और सूजन की स्थिति थी. इसके बाद उन्हें सर्जरी करानी पड़ी. बताया जा रहा है कि सद्गुरु के मस्तिष्क में सूजन थी. इसका पता 17 मार्च को चला. डॉक्टर विनीत सूरी ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि सद्गुरु का जीवन गंभीर खतरे की स्थिति में था।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान में घुस कर की एयरस्ट्राइक, सैन्य चौकियों को बनाया निशाना

पाक ने दी जवाबी कार्रवाई की धमकी

एजेंसी।

पाकिस्तान की सेना ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में हवाई हमले किए, जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं और बच्चों सहित आठ नागरिकों की मौत हो गई। इन हमलों में पाकिस्तान सीमा के पास खोस्त और पक्तिका प्रांतों में नागरिक घरों को निशाना बनाया गया। वहीं, अब पाकिस्तान के हमलों का अफगानिस्तान ने भी करारा जवाब दिया है। पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले के बाद अफगानिस्तान ने भी जवाबी कार्रवाई की है। अफगानिस्तान की सेनाओं ने सीमा पर पाकिस्तानी सैन्य चौकियों को निशाना बनाया, जो दो साल से अधिक समय पहले सत्ता संभालने के बाद तालिबान की ओर से पहला जवाबी हमला बन गया है।

तालिबान-नियंत्रित रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अफगानिस्तान की राष्ट्रीय इस्लामी सेना भारी हथियारों के साथ सीमा पर सैन्य चौकियों को निशाना बनाकर पाकिस्तान को जवाब दे रही है। रक्षा

और सुरक्षा बल किसी भी आक्रामक कार्रवाई का जवाब देने के लिए तैयार हैं।

ये हमले उत्तरी वजीरिस्तान में सुरक्षा बलों की चौकी पर आतंकवादी हमले में दो अधिकारियों सहित सात सैनिकों की हत्या के बाद राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी द्वारा जवाबी कार्रवाई की कसम खाने के एक दिन बाद हुए हैं। हाफिज गुल बहादर समूह ने घातक हमले की जिम्मेदारी ली थी।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने अफगान सीमा क्षेत्रों में उसी समूह को निशाना बनाकर ÷आतंकवाद विरोधी अभियान÷ की पुष्टि की, जो पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ बढ़ती सीमा हिंसा के लिए जिम्मेदार तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का एक गुट है।

अफगान ने दी चेतावनी - वहीं, दूसरी ओर तालिबान सरकार ने हवाई हमलों की निंदा की और इसे अफगानिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों से गंभीर परिणाम हो सकते हैं और घटनाओं के बढ़ने की संभावना पाकिस्तान की प्रबंधन क्षमता से परे हो सकती है।

एक - दूसरे पर लगा रहे आरोप

अफगानिस्तान में पाकिस्तान के विशेष प्रतिनिधि राजदूत आसिफ दुर्रानी ने शनिवार को अफगानिस्तान पर आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाया, जिनमें 5,000 से 6,000 तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादी और उनके परिवार शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया में चक्रवात से सैकड़ों लोग फंसे

एजेंसी।

उष्णकटिबंधीय चक्रवात मेगन के कारण सुदूर उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के सैकड़ों लोग फंसे हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, चक्रवात मेगन ने दोपहर ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्र के उत्तर-पूर्व में दस्तक दी। इससे 200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और भारी बारिश हुई। इससे पहले मौसम की बिगड़ती स्थिति के कारण आसपास के शहरों से हवाई सेवा को निलंबित कर दिया गया। इससे लोग वहां से निकल नहीं सके। चक्रवात के कारण करीब 700 लोग फंस गए। इलाके की बिजली काट दी गई है।

बारिश से हुई फसल नुकसान देखने कलेक्टर पहुंची खेतों में

कृषकों से रू-ब-रू चर्चा कर फसल क्षति की ली जानकारी

कलेक्टर सुश्री चौधरी ने मुआवजा/क्षतिपूर्ति देने की कार्यवाही शीघ्र तैयार करने अधिकारियों को दिये निर्देश

दुर्ग,। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने विगत दो दिवस जिले में हुई बारिश से हुए फसल नुकसान की जायजा लेने आज किसानों के खेतों तक पहुंची। इस दौरान कृषि एवं राजस्व विभाग के अधिकारी भी साथ मौजूद थे। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने आज विकासखण्ड धमधा से बारिश प्रभावित गांव तुमाकला एवं खिलोराकला का भ्रमण कर कृषकों से रू-ब-रू चर्चा कर फसल क्षति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कृषि एवं राजस्व विभाग के मैदानी अधिकारियों को प्रभावित गांवों में फसल क्षति का आंकलन शीघ्र पूर्ण कर कृषक सूची तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत प्रकरण तैयार कर मुआवजा/क्षतिपूर्ति की देने कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने निर्देशित किया। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत मौसम रबी वर्ष 2023-24 हेतु गेंहू सिंचित, गेंहू असिंचित, चना एवं राई फसले अधिसूचित है। उक्त में 42253 हेक्टेयर क्षेत्र के 29408 कृषकों का फसल बीमा आवरण किया गया है। जिले में स्थानीय आपदा अंतर्गत असामयिक वर्षा/ओलावृष्टि के कारण रबी फसलों यथा चना एवं गेंहू फसल को क्षति हुई है। जिसमें विकासखण्ड धमधा के 127 ग्रामों में 9769.17 हेक्टेयर रकबा क्षेत्र में से चना फसल रकबा 4691.55 हेक्टेयर में लगभग 56 प्रतिशत एवं गेंहू फसल रकबा 5077.62 हेक्टेयर में लगभग 40 प्रतिशत क्षति हुई है। उप संचालक कृषि श्री एल.एम. भगत ने बताया कि कृषि विभाग के संयुक्त संचालक श्री आर.के. राठौर एवं वे स्वयं धमधा विकासखण्ड के ग्राम घोठा, नंदवाय और हिरेतरा में कृषकों के प्रक्षेत्र का निरीक्षण कर उपस्थित कृषकों को स्थानीय आपदा से हुए क्षति की जानकारी 72 घंटे भीतर देने हेतु बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर पर सूचना देने की समझाईश दी गई है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में बीमित कृषकों को स्थानीय आपदा की स्थिति यथा अतिवृष्टि, ओलावृष्टि, भू-स्खलन, जलप्लावन, बादल फटना और प्राकृतिक आकाशीय बिजली से अधिसूचित फसल में नुकसान होने पर क्षतिपूर्ति का प्रावधान है। कृषक को क्षति पूर्ति का लाभ लेने हेतु बीमा कंपनी एचडीएफसी ईरगो जनरल इंश्योरेंस कंपनी के टोल फ्री नम्बर 1800-266-0700 एवं 14447 तथा व्हाटसप नम्बर 7304524888 पर सीधे सूचना दे सकते है। इसके अलावा स्थानीय कृषि/राजस्व अधिकारी, संबंधित बैंक या जिला कृषि/राजस्व अधिकारी को लिखित रूप से निर्धारित समय-सीमा में 72 घण्टे के भीतर बीमित फसल के ब्यौरा जैसे क्षति की मात्रा एवं क्षति के कारण सहित सूचित कर सकते है।

आचार्य-दिदी को दिया बाल उद्यान का प्रशिक्षण

रायपुर, 20 मार्च (आरएनएस)। ग्राम भारती जिला रायपुर द्वारा संचालित तुलसी संकुल तरपोंगी, सांकरा, कुथरेल, किरना, रायखेड़ा, तुलसी, देवरी सरस्वती शिशु मंदिर के आचार्य दीदीयों का एक दिवसीय आवर्ती प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में ग्राम भारती के जिला कोषाध्यक्ष डोमार वर्मा ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संबंध में जानकारी प्रदान की। जिला समन्वयक टीकाराम द्वारा अभिभावक संपर्क कैसे करें इसके बारे में जानकारी दी गई। तरपोंगी प्रशिक्षक दीदी सुमन साहू द्वारा शिशु वाटिका से संबंधित और किरना की प्रशिक्षक दीदी रामेश्वरी द्वारा हिंदी विषय से संबंधित जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण वर्ग में 7 विद्यालय से 65 दीदी और 5 आचार्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में तुलसी विद्यालय के अध्यक्ष राघवेन्द्र वैष्णव ने दीप प्रज्ज्वलित कर आशीर्वाद प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में तरपोंगी के प्रधानाचार्य तुलसीराम, सांकरा के प्रधानाचार्य संगीता वर्मा, देवरी प्रधानाचार्य येलन वर्मा, रायखेड़ा से थानेश्वर सोनवानी, कुथरेल से राधा गोस्वामी, तुलसी से अन्नपूर्णा वर्मा प्रमुख रूप से शामिल रहीं।

स्कूली बच्चों पर मधुमक्खियों ने किया हमला, मची चीख पुकार, 15 बच्चे घायल

कोरबा । जिले के करतला विकासखंड अंतर्गत संचालित स्वामी आत्मानंद स्कूल परिसर में उस वक्त विद्यार्थी और शिक्षकों में हड़कंप मच गया जब मधुमक्खियों के झुंड ने बच्चों पर हमला कर दिया. मधुमक्खी के हमले से स्कूल में चिखपुकार मच गई. इस घटना में 15 बच्चे घायल हुए. सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करताला में भर्ती कराया गया. वहीं इस घटना के बाद स्कूल में बच्चों की छुट्टी कर दी गई.

जानकारी के अनुसार, करतला स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल में अन्य दिनों की तरह बच्चे पढ़ने आए हुए थे. कक्षा लगने के लिए घंटी बजनें में समय था तो बच्चे स्कूल में ही खेल रहे थे. इसी दौरान स्कूल परिसर के अंदर स्थित पीपल के पेड़ पर बने मधुमक्खियों के छत्ते को किसी पक्षी ने चोंच मार दिया. जिसके बाद मधुमक्खियों के झुंड ने बच्चों पर हमला कर दिया. मधुमक्खियों के हमले से बच्चों में चीख पुकार मच गई और लगभग 15 लोग घायल हो गए. इस घटना की जानकारी उच्च अधिकारीयों को भी दी गई है।

कैंपर वाहन की चोरी, नाबालिग आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। बुधवारी बाजार के पास से महिंद्रा कैंपर वाहन की चोरी किसी अज्ञात चोर ने कर ली। वाहन मालिक की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वाहन को जब्त कर नाबालिग आरोपित को गिरफ्तार किया। घटना सीएसईबी पुलिस चैकी अंतर्गत सोमवार को हुई। बताया जा रहा है कि जयपाल सिंह निवासी कृष्णा नगर थाना दीपका अपनी महिंद्रा कैंपर वाहन क्रमांक सीजी 12 एके 8613 लेकर कोरबा आया था और शाम 5.30 बजे अपने वाहन को आईटीआई रोड बुधवारी में सड़क किनारे खड़ी कर गाड़ी का कागजात लेने श्याम कैवट के यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस आफिस गया हुआ था। शाम छह बजे कागजात लेकर लौटा, तो स्थल पर वाहन नहीं दिखा। स्थल से किसी अज्ञात व्यक्ति ने वाहन की चोरी कर ली थी। काफी खोजबीन किए जाने के बाद भी वाहन का पता नहीं चला, तो जयपाल सिंह ने मामले की शिकायत सीएसइी पुलिस चैकी में दर्ज कराई। पुलिस ने मामला कायम कर विवेचना शुरू की और मुखबिरों को सतर्क किया। चैकी प्रभारी सीएसईबी उप निरीक्षक विनोद कुमार सिंह द्वारा अपने मातहत स्टाफ प्रधान आरक्षक सुधांशु शर्मा, आरक्षक देवनारायण कुर्रे, सूरज भारद्वाज, विकास भारद्वाज के साथ कार्रवाई करते हुए घटना के एक घंटे के भीतर चोरी गई वाहन को क्षेत्र अंतर्गत निवासरत एक विधि से संघर्षरत बालक के कब्जे से बरामद किया। पुलिस ने बताया कि पहले भी उक्त बालक द्वारा बुधवारी बाजार स्थित रामू फर्नीचर के पास से एक पिकअप वाहन को चोरी कर लिया गया था। उसके कृत्यों में सुधार लाने के लिए किशोर न्याय बोर्ड कोरबा के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

होली पर्व के अवसर पर 25 को शुष्क दिवस घोषित

कोरबा 20 मार्च (आरएनएस)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आगामी होली पर्व पर 25 मार्च 2024 दिन सोमवार को शुष्क दिवस घोषित करते हुए उक्त समयावधि में सभी प्रकार की मदिरा दुकानें आदि बंद रखने के आदेश दिए हैं।

कलेक्टर ने छ.ग. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 की उप धारा (1) में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए 25 मार्च को होली पर्व के अवसर पर शुष्क दिवस घोषित करते हुए जिले में स्थित समस्त देशी, विदेशी, कम्पोजिट मदिरा दुकानों, एफएल.3 बार एवं मद्यभण्डागार को उक्त शुष्क अवधि में पूर्णतः बंद रखे जाने के आदेश दिए है।

अवैध शराब के भण्डारण, विक्रय के नियंत्रण के लिए टोल फ्री नंबर-14405

कोरबा 20 मार्च (आरएनएस)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अजीत वसंत के निर्देशन में सहायक आयुक्त आबकारी श्री सौरभ बख्शी द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान जिले में अवैध शराब के विरूद्ध सतत् कार्यवाही करने विभागीय अमला को निर्देशित किया है। आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा सूचना मिलने पर त्वरित छापा मारकर आरोपियों के विरूद्ध चालान न्यायालय में प्रस्तुत कर रही है। इस हेतु जिले में अवैध शराब के भण्डारण, विक्रय के नियंत्रण हेतु नियंत्रण कक्ष स्थापित कर टोल फ्री नंबर-14405, मोबाइल नम्बर-92445-17388 जारी किया गया है। जिस पर आमजनों द्वारा अवैध शराब बनाने, बेचने या तस्करी की सूचना दी जा सकती है।

करतला विकासखण्ड में उल्लास महापरीक्षा में 752 शिक्षार्थी शामिल हुए

कोरबा 20 मार्च (आरएनएस)। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित नवसाक्षर महापरीक्षा अभियान में करतला विकासखण्ड के ग्राम पंचायतों के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में 752 शिक्षार्थी शामिल हुए। इन ग्राम पंचायतों में एक सप्ताह पूर्व सर्वेयर शिक्षकों के माध्यम से गाँव में सर्वे करते हुए ऐसे साक्षरों का चयन किया गया था जो पढ़ने व लिखने एवं संख्यात्मक ज्ञान में योग्य थे, साथ में उन शिक्षार्थियों का चिन्हांकन किया गया जिनकों प्रमाण पत्र प्राप्त नही हुआ था। करतला विकासखण्ड के निर्धारित कई केन्द्रों में एक ही परिवार के दो से अधिक लोगों ने परीक्षा दिलाई। प्राथमिक शालाओं को केन्द्र बनाया गया था जिनके प्रधान-पाठक केन्द्राध्यक्ष के साथ पर्यवेक्षक एवं मूल्यांकनकर्ता का दायित्व निर्वहन किये।

एकलव्य विद्यालय में मध्यान भोजन के दौरान अचार में मिला मरा हुआ मेंढक, एक्सपायर बेसन से बनाए जा रहे पकौड़े

बलरामपुर, (आरएनएस)। जिले के एकलव्य आवासीय विद्यालय में आदिवासी बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने का मामला सामने आया है. यहां मध्यान भोजन के समय अचार से मरा हुआ मेंढक मिला है. इसके साथ ही एक्सपायरी डेट बेसन से बच्चों के लिए पकौड़े बनाए जा रहे हैं. इसका फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

जानकारी के अनुसार, ये घटना रामानुजगंज स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की है. जहां मध्यान भोजन के समय बच्चे मिक्स अचार के डब्बे में से अचार निकलते हैं तो अचार की जगह पर डब्बे से मरा हुआ मेंढक निकलता है. तो वही एक वीडियो में एक्सपायरी डेट बहुरानी बेसन से बच्चों के लिए पकौड़े बनाया जा रहा है.

अपने को संभाले-कांग्रेस की चिंता न करे

कटघोरा विधानसभा स्तरीय महासम्मेलन

कोरबा। कटघोरा विधानसभा क्षेत्रांतर्गत ग्राम घनाकछार में विधानसभा स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं का महासम्मेलन में जुटे क्षेत्र के कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कांग्रेस प्रत्याशी व सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत के पक्ष पूरी तरह चुनावी तैयारी में जुट जाना है।

कार्यक्रम के आयोजक व क्षेत्र के पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कोरबा लोकसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी को एक भी कार्यकर्ता या नेता संसदीय क्षेत्र का नहीं मिला। यही वजह है कि दुर्ग की सरोज पाण्डेय को वहां की जनता ने चुनाव में उनके अपने व्यवहार व आचरण के कारण हरा चुकी है। राजनीति में बने रहने के लिए पिछले दरवाजे से नेतागिरी करती रही हैं। कभी भी दुर्ग की जनता ने सरोज पाण्डेय को नहीं स्वीकारा है। सांसद ज्योत्सना महंत ने घनाकछार में आयोजित बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं व पदाधिकारिया से खुलकर अपनी बात रखी और कहा कि वर्तमान चुनाव देश में युवाओं को रोजगार और महंगाई के साथ-साथ हो रहे अन्याय के खिलाफइसमें सभी का समर्थन और सहयोग चाहती है। इसके अलावा सांसद ज्योत्सना महंत ने बांकीमोंगरा में कांग्रेस नेता प्रदीप अग्रवाल की माता के निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

दीपका नगर पालिका अध्यक्ष संतोषी दीवान के पति स्व. जगदीश सिंह के निधन पर परिजनों से मिलकर संवेदना जताई। दीपका के पार्षद मदन राजपूत के परिवार में दुरूख की बेला में पहुंचकर परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया। सांसद ने दीपका में केदार सिंह, श्रीमती मनोरा लकड़ा, पूर्व पार्षद श्रीदेवी नायर, अंजना जायसवाल, निषा बंजारे, प्रशांति सिंह सहित महिलाओं से मुलाकात की। सांसद के साथ क्षेत्रीय दौरे में जिला कांग्रेस ग्रामीण के अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल, सांसद प्रतिनिधि हरीश परसाई, प्रशांत मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष रतन मित्तल, डॉ. शेख इश्तियाक, ब्लॉक अध्यक्ष राजू लखनपाल, गोरेलाल यादव, श्रीमती उषा तिवारी, तनवीर अहमद, हसन अली, राज जायसवाल, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रभा तंवर, रेखा त्रिपाठी, रूपा मिश्रा, संतोष राठौर, अशरफ मेमन, बालेन्द्र सिंह, रामशरण कुंवर सहित क्षेत्र भर के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्री होली सेलिब्रेशन में करंट लगने से युवक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से एक छात्र की दर्दनाक मौत की खबर सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के पेटल्स फार्म्स रिजॉर्ट में एक छात्र को करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। वहीं बताया जा रहा है कि यह घटना तब घटी जब युवकों द्वारा प्री होली सेलिब्रेट किया जा रहा था। इसी दौरान खैरागढ़ गोलबाजार के व्यवसायी गौतम सालेचा के 25 वर्षीय पुत्र यश सालेचा की करंट लगने से जान चली गई।

पुरानी बस्ती थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यश सालेचा कार से ड्राइवर व दो बहनों के साथ रायपुर आए थे। रायपुर में यश के दोस्तों ने पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र खारुन नदी के पेटल्स फार्म्स (रिसार्ट) में प्री होली सेलिब्रेशन पार्टी का आयोजन रखा था। इसी पार्टी के दौरान सभी छात्र रिसार्ट के स्विमिंग पूल में बाल गेम खेल रहे थे।

इस दौरान छात्र यश स्विमिंग पूल साफ करने वाले वाइपर को हटाकर दूसरी ओर रख रहा था। ऊपर से हाई टेंशन विद्युत का तार था और अचानक छात्र यश इसकी चपेट में आ गया। आनन-फानन में छात्र को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद छात्र के शव को खैरागढ़ भेज दिया गया।

पदस्थ क्लर्क की संदिग्ध अवस्था में मिली लाश, इलाके में मचा हड़कंप

बलरामपुर । जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है. वाड्रफनगर तहसील में पदस्थ क्लर्क की संदिग्ध अवस्था में जंगल किनारे लाश मिली है. लाश मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है. ये घटना वाड्रफनगर पुलिस चौकी की है। जानकारी के अनुसार, वाड्रफनगर पुलिस चौकी के राजखेता ग्राम के पास जंगल किनारे सुबह एक लाश मिली. जब ग्रामीणों ने शव को देखा तो घटना की जानकारी वाड्रफनगर पुलिस को दी. जिसके बाद पुलिस और तहसीलदार मौके पर पहुंचे. मृतक की पहचान वाड्रफनगर तहसील में पदस्थ क्लर्क पुलकेवर उम्र लगभग 60 वर्ष के रूप में हुई है।

सी-विजिल ऐप ने आम नागरिक आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की गतिविधि को रोकने कर सकेंगे मदद

कोरबा 20 मार्च (आरएनएस)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन में पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए सी-विजिल मोबाइल एप्लीकेशन उपलब्ध कराया गया है। सी-वीजिल का अर्थ सिटिजन वीजिलेंस यानि नागरिकों की सतर्कता है। सी-विजिल के माध्यम से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों की कुशलतापूर्वक त्वरित रिपोर्ट प्रस्तुत किया जा सकता है। इसके माध्यम से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की गतिविधि को रोकने में मदद मिलती है और निर्वाचन प्रक्रिया पारदर्शी एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाती है। सी-विजिल मोबाइल एप्लीकेशन को गूगल प्ले स्टोर एवं एप्पल स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। यह एप्लीकेशन नागरिक जुड़ाव और प्रवर्तन प्रक्रिया में भागीदारी को बढ़ावा देता है। निर्वाचन को ठीक से संचालित करने के लिए विश्वास-आधारित साझेदारी की आवश्यकता है और यह मोबाइल एप्लीकेशन जागरूकता, विश्वास और आत्मविश्वास पैदा कर उस साझेदारी को सुगम बनाने में सहायक सिद्ध होता है। कलेक्टर ने जिले के सभी विधानसभाओं के लिए नियुक्त रिटर्निंग ऑफिसर्स सहित अन्य अधिकारियों को सी-विजिल मोबाइल एप्लीकेशन के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए हैं।

सी-विजिल मोबाईल एप्लीकेशन निर्वाचन सीमा के भीतर प्रत्येक नागरिक को आवेदन में साइन-इन करके अपने मोबाइल फोन के माध्यम से फोटो, ऑडियो, वीडियो लेकर आदर्श आचार संहिता व व्यय उल्लंघन की रिपोर्ट करने की अनुमति देता है। ऐप नागरिकों को उनके व्यक्तिगत विवरण पहचान का खुलासा किए बिना गुमनाम रूप से शिकायत करने की भी अनुमति देता है। जब उपयोगकर्ता उल्लंघन की रिपोर्ट करने के लिए सी-विजिल में अपने कैमरे को चालू करते हैं, तो ऐप स्वचालित रूप से एक जियो-टैगिंग सुविधा को सक्षम करता है, जिससे फील्ड यूनिट की घटना के सटीक स्थान को जानने में मदद मिलती है। ऐप सभी आदर्श आचार संहिता उल्लंघन व शिकायतों तक पहुंच सकता है और रीयल-टाइम प्रगति की जांच कर सकता है। फील्ड यूनिट द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के बाद निर्णयकर्ता व रिटर्निंग अधिकारी सी-विजिल मामलों पर ड्रॉप, डिसाइड और एस्केलेट जैसी कार्रवाई कर सकते हैं।

तीन वर्ष से फरार स्थाई वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गरियाबंद। स्थानीय न्यायालय में पेशी के दौरान उपस्थित न होने के चलते न्यायालय द्वारा एक आरोपी जो तीन वर्ष से फरार था,वही एक आरोपी दो वर्ष से फरार था उन दोनो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। ज्ञात हो कि जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित तुकाराम काम्बले के द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को पुराने स्थाई और अस्थाई वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने का निर्देश दिया गया है।इसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डीसी पटेल,एसडीओपी पुष्पेंद्र नायक के मार्गदर्शन में सिटी कोतवाली प्रभारी कृष्ण प्रसाद जांगड़े के द्वारा एएसआई जैनसिंग दीवान,प्रधान आरक्षक डीगेश्वर साहू,महिला आरक्षक लक्ष्मी ध्रुव,मुरारी यादव,योगेश ठाकुर कुंदन जगने,नरेंद्र कर्षे व स्वाति मरकाम की टीम बनाकर फरार स्थाई वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।जिसमें मिली जानकारी के अनुसार ग्राम चिखली के बिरस राम सोरी पिता कोलाराम सोरी के खिलाफ वर्ष 2020 में 34 (2) आबकारी एक्ट के मामले में न्यायालय में पेशी चल रहा था,उसी दौरान से आरोपी फरार था,वही संतोष कुमार पिता धनाली दीवान ग्राम नांगाबुडा के खिलाफवर्ष 2021 धारा 279 ,337 के तहत पेशी चल रहा था।लेकिन दोनो आरोपी लगातार न्यायालय का अवहेलना कर पेशी में उपस्थित नही हो रहे थे जिसके चलते दोनो आरोपियों को बुधवार को गिरफ्तार करते हुए न्यायालय में पेश किया गया।

तेंदूपत्ता शाखकर्तन पर मौसम की मार, 1.31 लाख मानक बोरा संग्रहण में जुटेंगे 78 वन समिति

कोरबा । प्रदेश सरकार ने तेंदू पत्ता की खरीदी कीमत 4,000 से बढ़ाकर 5,500 रूपये कर प्रति मानक बोरा कर दिया गया है। प्रति मानक बोरा 1,500 रूपये खरीद कीमत में वृद्धि की गई है लेकिन कटघोरा व कोरबा दोनों वन मंडलों मे संग्रहण लक्ष्य 1.31 लाख मानक को यथावत रखा गया है। कीमत बढ़ने के साथ ही संग्राहकों की संख्या भी बढ़ने लगी है। तेंदूपत्ता तोड़ने वाले परिवारों को आस थी कि पत्ते की कीमत के साथ लक्ष्य में भी बढ़त की जाएगी पर ऐसा नहीं हुआ। साख कर्तन में मौसमी मार व लक्ष्य में वृद्धि नहीं किए जाने से संग्राहको में बढ़ी कीमत के बाद निराशा देखी जा रही है।

तेंदू पत्ता संग्रहण के लिए साख कर्तन काम 15 मार्च से शुरू होने के बाद अंतिम चरण की ओर है। संग्राहकों में तेंदू पत्ता के एवज में मिलने वाली राशि को लेकर उत्साह थी वह सीमित लक्ष्य के चलते निराशा में परिवर्तित हो गई है। उपर से मौसमी परिवर्तन के साथ ओला वृष्टि ने नए पत्तों के तैयार होने में बाधा उत्पन्न् कर दी है। वन परिक्षेत्र में तेंदू रोपणी में लगातार आ रही कमी की वजह से अब संग्रहण पर इसका असर होने लगा है। भले शासन की ओर से तेंदूपत्ता संग्रहण की दर में लगातार बढ़ोतरी की जा रही किंतु तेंदू के सिमटते वन परिक्षेत्र के संरक्षण में ध्यान नहीं दिया

जा रहा। जंगल में इन दिनों महुआ संग्रहण के लिए पेड़ के नीचे आग भी लगा दी जा रही। आगजनी की घटना प्रति वर्ष कई हजार छोटे पौधे पल्लवित होने से पहले ही नष्ट हो जाते हैं। संग्रहण वर्ष 2023 में कोरबा वन मंडल में 38 समिति गठित की गई थी। बीते वर्ष 54 हजार 100 मानक बोरा पत्ता खरीदी का लक्ष्य दिया गया था। इसी तरह कटघोरा वन मंडल में 78 हजार मानक बोरा का लक्ष्य रखा गया है। अब जबकि वर्ष 2024 में पत्ते की कीमत में बढ़त की गई है किंतु लक्ष्य को यथावत रखा गया है। वजह यह है कि तेंदूपत्ता नर्सरी परिक्षेत्र में घटने से संग्रहण लक्ष्य को बढ़ाना मुश्किल है। जंगल में संग्रहण क्षेत्र कम होने से प्रत्यक्ष असर संग्राहको पर पड़ेगा। वन विभाग से प्रति वर्ष लाखों की तादात में पौधा रोपणी का दावा किया जाता है। इसमें तेंदू की नर्सरी भी शामिल है। संग्रहण लक्ष्य में आ रही कमी चिंता का विषय बना हुआ है। एक ओर संग्राहकों की तादात में लगातार बढ़ोतरी हो रही है वहीं संग्रहण लक्ष्य कम होने से अपेक्षित लाभ से लोगों को वंचित होना पड़ेगा। कोरबा वन मंडल के वनोपज संग्रहण के नोडल अधिकारी एसएस कंवर का कहना है कि शाखकर्तन का काम लगभग पूरा किया जा चुका। मौसम परिवर्तन का इस पर असर नहीं होगा।

दावानल नियंत्रण करने संग्रहण समितियों के साथ वन अमले का सहयोग नहीं होता। यही वजह है कि संग्रहण के लायक पौधें दावानल के चपेट मे आकर नष्ट हो जाते है। दावानल पत्तों के पल्लवित होन के लिए सहायक होते हैं। दावानल अधिक समय तक बरकरार रहने से लगातार तेंदू पौधों की तादात में कमी आ रही है। तेंदू पत्ता रोपण विस्तार के लिए वन विभाग से अपेक्षित पहल नहीं किए जाने की वजह से तेंदू पत्ता बाहुल्य क्षेत्र वन परिक्षेत्र से सिमटती जा रही है।

वन परिक्षेत्रो हाथियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। पसान, कुदमुरा, केंदई, एतमा नगर आदि हाथी प्रभावित क्षेत्र होने से यहां हर पल खतरा बना रहता है।

दो हजार लीटर डीजल सहित टैंकर जब्त, पकड़ा गया चालक

कोरबा। क्षेत्र में अवैध डीजल एवं कबाड़ के विरुद्ध कार्रवाई करने पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थि तिवारी ने निर्देश दिया है। इसके बाद पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। थाना प्रभारी बागों द्वारा अपने मातहत कर्मचारियों के साथ वाहनों की जांच की जा रही थी, तभी एक पिकअप टैंकर क्रमांक सीजी 12 एस 4055 को रोक कर जांच की गई, तो उसमें असुरक्षित हालत में डीजल परिवहन करना मिला। इस पर पुलिस ने वाहन चालक परशुराम 22 वर्ष निवासी सेंधा नागपुर थाना पोड़ी जिला महेंद्रगढ़ से वाहन के पंजीयन, चालन अनुज्ञप्ति तथा टैंकर में लोड डीजल के संबंध में वैध मांगा, पर चालक के पास किसी प्रकार का दस्तावेज मौके पर नहीं मिला. इस पर चालक के विरूद्ध ज्वलनशील पदार्थ डीजल को असूरक्षित तरीके से बिना वैध अनुज्ञा- चालन अनुज्ञप्ति के अवैध परिवहन पाए जाने की कार्रवाई की गई। साथ ही टैंकर में परिवहन किया जा रहा दो हजार लीटर डीजल, वाहन समेत जब्त किया गया।

इम्पॉवरिंग इनोवेशन की थीम पर रविवि में कार्यशाला का आयोजन

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल की द्धद्धष्ट. (इंस्टिट्यूट इनोवेशन कॉउंसिल) निरन्तर रूप से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में उद्यमता को बढ़ावा देने एवं नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करवा रही है। जिस क्रम में empowering innvovation की थीम पर प्रोटोटाइप डिजाइनिंग और डेवलपमेंट पर आधारित ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस का आयोजन करवाया गया। यह दो दिवशीय कार्यक्रम पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर और राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या के सामूहिक तत्वाधान से आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में स्पीकर के तौर पर इंकोर टेक्नोलॉजी के मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री हनी दुर्गा प्रसाद तिवारी है।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में संचालक के रूप में डॉ. दीपेंद्र सिंह रहें। इस कार्यक्रम में पं. रविशंकर के कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ल तथा अवध वि.वि. के कुलपति डॉ. प्रतिभा गोयल जी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे। कार्यक्रम की शुरुवात द्धद्बष पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. की अध्यक्ष डॉ. कविता ठाकुर द्वारा स्वागत भाषण से हुई। स्वागत भाषण की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए अवध वि.वि. से जुडी कार्यक्रम की सह संचालक डॉ. गीतिका श्रीवास्तव ने इस कोलैबोरेशन तथा ऐसे आयोजन के महत्व को साझा करते हुए वर्तमान समय की रोजगार सम्बन्धी समस्या से अवगत कराते हुए स्टार्टअप, enterprenaurship तथा आत्मनिर्भर बनने हेतु विद्यार्थियों को सुझाव प्रस्तुत किये। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अवध वि.वि. तथा पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. के कुलपति ने आई आई सी को इस प्रकार के आयोजन के लिए बधाई दी। प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला ने इस कार्यक्रम की प्रशंशा करते हुए अपने कॉलेज समय की कुछ बातें साझा की जिसमे उन्होंने बताया कि की जिस प्रकार अभी शासकीय सेवायों में रोजगार हेतु होड़ लगी हुई है ऐसे में नवाचार हेतु उद्यमियों की आवश्यकता है जो की इसी प्रकार के कार्यक्रमों से हो सकती है। आज से कुछ वर्ष पहले ही इस क्षेत्र में प्रतियोगिता कम थी किन्तु शार्क टैंक तथा इसी प्रकार के अन्य प्लेटफार्म के आ जाने से प्रतिस्पर्धा में बढोत्तरी हुई है जिस हेतु सामान्य विद्यार्थियों में जागरूकता की कमी के कारण उन्हें ऐसे अवसरों से वंचित रहना पड़ता है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में इन्ही कमियों को दूर करने तथा उद्यमता को बढ़ावा देने डॉ. हनी दुर्गाप्रसाद के द्वारा ऑनलाइन माध्यम से चार अलग अलग अलग सत्र में विभिन्न प्रशिक्षण दिया जाएगा। आज का कार्यक्रम को दो भागों में बांट गया था जिसमें पहले भाग में डॉ. तिवारी ने वर्चुअल तरीके से वर्कशॉप का आयोजन किया था जिसमे उन्होंने एक वेबसाइट बनाने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियो से विद्यार्थियों को अवगत कराया । सर्वप्रथम डॉ. हनीदुर्गा प्रसाद तिवारी ने पीपीटी के माध्यम से प्रोटोटाइप बनाने के चरणों को बताया ।जैसे की एक प्रोटोटाइप कैसा होना चाहिए उसे कैसे बनया जाता है,प्रोटीप बनाते समय किन बातो का ध्यान रखना चाहिए।इन सभी बातो को बताने के पश्चात उन्होंने सभी विद्यार्थियों को इसे द्बद्बह्म्श की वेबसाइट में सभी स्टेप्स को समझाते हुए प्रोटोटाइप बना के दिखाया साथ ही सभी विद्यार्थियों को इसके माध्यम से एक ही वेबसाइट में जोड़ के प्रैक्टिकल तरीके से इसे करके दिखाया । इस वर्कशॉप का दूसरे चरण में अलग अलग वेबसाइट के माध्यम से डॉ. होनेदुर्गा प्रसाद तिवारी ने विद्यार्थियों को वेबसाइट बना कर दिखाया। सर्वप्रथम उन्होंने ÷हेलिया ÷ में उन्होंने एक वेबपेज बनाया साथ ही साथ सभी विद्यार्थियों को वेबपेज बनाने के लिए निर्देशित करते गए ।इसके पश्चात उन्होंने कुछ विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए वेब पेज को स्क्रीन में प्रदर्शित किया साथ ही साथ उनकी समस्याओं को सुलझाया ।इसके पश्चात ÷÷ में उन्होंने वेबपेज बनाया ।और अंतिम में ÷ऐ आई÷ में उन्होंने कैसे वेबपेज बनाया जा सकता है इसे बताया ।

देर रात पहुंचे नालंदा ,तक्षशिला कलेक्टर, एसपी युवाओं से की बातचीत

बोले- खूब पढ़ो- खूब आगे बढ़ो

रायप आरएनएस)। देर रात करीब 12 बजे कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह, एस पी श्री संतोष सिंह और नगर निगम कमिश्नर श्री अबिनाश मिश्रा, नालंदा तक्षशिला पहुँच कर वहाँ की व्यवस्था परखी। वहा अध्ययन कर रहे युवाओं से चर्चा भी किया। युवाओं से चर्चा के दौरान युवाओं से पूछने पर बताया कि कुछ युवा राज्य प्रशासनिक सेवा की तैयारी कर रहे हैं तो कुछ बच्चे यू पी एस सी की तैयारी में हैं। युवाओं ने कलेक्टर से पूछा की प्रिलिम्स की तैयारी और मुख्य परीक्षा के लिए किस पैटर्न में तैयारी किया जाये। कलेक्टर ने तैयारी के टिप्स देते हुए कहा कि सफलता हासिल के लिए नियमित अध्ययन आवश्यक है। कड़ी मेहनत के साथ स्मार्ट अध्ययन भी ज़रूरी है। देश प्रदेश के अलावा वैश्विक स्थिति को लेकर समसमायिक जानकारी होना भी बेहद ज़रूरी है। साथ ही टाइम मैनेजमेंट भी आवश्यक है। तक्षशिला में युवाओं ने बताया कि नेट सर्फिंग की गति स्लो है उसको सुधार करने की आवश्यकता है इसपर कलेक्टर डॉ सिंह ने त्वरित सुधार हेतु संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया। तक्षशिला में वे फूड जोन गए और खाने की व्यवस्था की जानकारी ली, फिर वे खुद वही टेबल पर बैठकर मैगी खाया और चाय भी पी।आधी रात युवाओं को पढ़ाई में मंगन देखकर कलेक्टर भी उत्साहित हुए उन्होंने युवाओं से बात कर कहा - खूब पढ़ो खूब आगे बढ़ो। पुलिस अधीक्षक श्री संतोष सिंह ने युवाओं को कहा कि सफलता पाने मेहनत ,लगन जरूरी है। लक्ष्य तय कर मेहनत करे तो उसे हासिल किया जा सकता है।

संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत राज्य में अब तक हटाए गए 3.15

सार्वजनिक संपत्तियों से 1.99 लाख बैनर, पोस्टर व वॉल राइटिंग तथा निजी संपत्तियों से 1.16 लाख हटाए गए

रायपुर। राज्य में लोकसभा आम निर्वाचन के लिए आदर्श आचार संहिता के प्रभावी होने के बाद से संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत सार्वजनिक और निजी संपत्तियों से वॉल राइटिंग, पोस्टर और बैनर हटाने की कार्यवाही द्रुत गति से जारी है। राज्य में इन दोनों तरह की संपत्तियों से 20 मार्च तक कुल तीन लाख 14 हजार 674 प्रचार सामग्रियां हटाई गई हैं। सार्वजनिक संपत्तियों से संबंधित एक लाख 99 हजार 154 और निजी संपत्तियों से संबंधित एक लाख 15 हजार 520 प्रकरणों पर कार्यवाही की गई है।

राज्य की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि सभी कलेक्टरों और जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत प्रदेश भर में कुल तीन लाख 27 हजार 210 प्रकरण चिन्हांकित किए गए हैं। इनमें सार्वजनिक संपत्ति से संबंधित दो लाख नौ हजार 45 और निजी संपत्ति से संबंधित एक लाख 18 हजार 165 प्रकरण शामिल हैं। सभी जिला प्रशासन द्वारा इन्हें हटाने की कार्यवाही तेजी से जारी है। अधिनियम के अंतर्गत दुर्ग जिले में सरकारी और निजी संपत्तियों से बैनर, पोस्टर, वॉल राइटिंग इत्यादि हटाने की 41 हजार 788, सुकमा में 2048, गरियाबंद में 5784, बेमेतरा में 8928, खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई में 2819, बालोद में 16 हजार 973, जशपुर में 4425, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 2931 और सरगुजा में 9876 कार्यवाही की गई हैं।

संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में कुल 8935, रायगढ़ में 4557, सूरजपुर में 3942, कांकेर में 4591, बिलासपुर में 27 हजार 881, दंतेवाड़ा में 1383, महासमुंद में 23 हजार 137, जांजगीर-चांपा में 8531, बस्तर में 823, कोरबा में 19 हजार 343, कोण्डागांव में 12 हजार 339, कबीरधाम में 12 हजार 700, बीजापुर में 1886, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 5774, राजनांदगांव में 16 हजार 927, बलरामपुर-रामानुजगंज में 5917, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 4109, कोरिया में 2816, नारायणपुर में 191, मुंगेली में 4542, सक्ती में 6917, धमतरी में 8735 और रायपुर में 33 हजार 126 संपत्तियों से वॉल राइटिंग, पोस्टर और बैनर हटाने की

मृतक के परिजनों को 50 हजार रूपये की आर्थिक सहायता

दुर्ग। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने दुर्घटना में मृतक के परिजनों को 50 हजार रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डबरापारा दक्षिण वार्ड -10, तहसील भिलाई-03 जिला दुर्ग निवासी श्री दयावंती देवी की विगत 04 मई 2022 को ''टक्कर मारो और भाग जाओ'' वाहन दुर्घटना से मृत्यु हो गई थी। इसी प्रकार कुन्दरापारा वार्ड नं 54 पोटियाकला तहसील व जिला दुर्ग निवासी अजय बघेल की विगत 19 फरवरी 2023 को ''टक्कर मारो और भाग जाओ'' वाहन दुर्घटना होने से उपचार के दौरान 20 फरवरी 2023 को मृत्यु हो गई थी।उक्त दोनो घटनाओं में मृतकों के परिजन को प्रतिकर के रूप में कलेक्टर द्वारा स्व. दयावंती देवी के वैधानिक प्रतिनिधि श्री करमजीत सिंग सोनी (पुत्र) को 25 हजार रूपये एवं स्व. अजय बघेल के वैधानिक प्रतिनिधि श्रीमती राधिका बघेल (पत्नि) को 25 हजार रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

घर बैठे मतदाता सूची में जुड़वाएं अपना नाम

रायपुर, (आरएनएस)। चुनाव आयोग ने आगामी लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है. जिसमें वोट करने के लिए आपके पास वोटर आईडी कार्ड होना चाहिए. लेकिन जरा सोचिए जिनके पास ये नहीं है वो कैसे वोट करेंगे? क्या वो वोट कर पाएंगे? ऐसे में अगर आपकी उम्र 18 साल या इससे अधिक हो गई है और आपके पास भी वोटर आईडी कार्ड नहीं है, तो आप घर बैठे ही वोटर लिस्ट में अपना नाम जुड़वा सकते हैं. आइए हम आपको तरीका बताते हैं

ऐसे करें आवेदन

सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट https//www.nvsp.in/ पर जाएं. होमपेज पर आपको New registration for general electors दिखेगा, उस पर क्लिक करें.

इसके बाद आपको स्द्बद्दठ्ठ ह्वश्च करना होगा> इसके बाद वहां मांगी गई सभी डीटेल्स दर्ज करें.

अब आपको अपना द्बश्ड्डद्बद्यद्ग number, password, captcha और OTP डालकर रजिस्ट्रेशन करना होगा. इसके बाद फॉर्म 6 सब्मिट कर दें.

वोटर आईडी खोने पर क्या करें

अगर आपका वोटर आईडी कार्ड कहीं खो गया है तो आप आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर इसे डाउनलोड कर सकते हैं.

ऐसे डाउनलोड करें वोटर आईडी कार्ड

सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट httpsÑ//www.nvsp.in/ पर जाएं.

वहां आपको ÒLoginÓ का ऑप्शन दिखेगा, उस पर क्लिक कर मोबाइल नंबर, पासवर्ड और कैप्चा डाले.इसके बाद आपके फोन पर एक OTP आएगा, वहां ÒVerify × स्र्लद्बठ्ठ' पर क्लिक करें.इसके बाद ÒE-EPIC DownloadÓ टैब पर क्लिक करें.यहां आपको EPIC नंबर भरकर, अपना राज्य चुनें.आपको अपने स्क्रीन पर आईडी कार्ड दिख जाएगी.वहां होम पेज पर Download e-EPICÓ का ऑप्शन दिख जाएगा.

इसे डाउनलोड कर लें.

अगर आपके पास वोटर आईडी कार्ड नहीं है तब भी आप भारत सरकार द्वारा जारी कई सरकारी डॉक्यूमेंट का उपयोग कर वोट डाल सकते हैं. **इन डॉक्यूमेंट का उपयोग कर डाल सकते हैं वोट**

आधार कार्ड राशन कार्ड मनरेगा जॉब कार्ड बैंक पासबुक बीमा स्मार्ट कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस पैन कार्ड

पासपोर्ट पेंशन डाक्यूमेंटनेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर (ह्रक्क) की ओर से जारी स्मार्ट कार्डवोटर लिस्ट में नाम कैसे चेक करें ?अगर आपको चेक करना है कि वोटर लिस्ट में आपका नाम है या नहीं तो आप चुनाव आयोग की वेबसाइट httpsÑ//eci.gov.in/ या मतदाता हेल्पलाइन 1950 पर कॉल कर सकते हैं. इसके अलावा आप हेल्पलाइन नंबर 1950 पर कॉल कर सकते हैं. इसके अलावा वोटर आईडी लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए या किसी तरह के बदलाव के लिए भी आप httpsÑ//eci.gov.in/ पर जाकर बदलाव कर सकते हैं.

कब तक कर सकेंगे अपलाई ? आपको बता दें कि आचार संहिता लागू होने के बाद लगभग 10 दिन तक वोटिंग लिस्ट में नाम जुड़वाया जा सकता है. यानी कि अगर किसी का वोटर लिस्ट में नाम नहीं जुड़ा है. तो उसके पास नाम जुड़वाने के लिए 26 मार्च तक का समय है.

डीपीआई ने सामूहिक नकल मामले में 9 शिक्षकों को किया निलंबित

रायपुर,(आरएनएस)।

लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने सामूहिक नकल मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 शिक्षकों को निलंबित कर दिया है। शासकीय कन्या उच्च विद्यालय बरमकेला में 18 मार्च को सामूहिक नकल की शिकायत मिली थी। एसडीएम ने 19 मार्च को इसकी जांच की। जांच में पता चला कि 12वीं हिंन्दी परीक्षा में कुल 246 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 5 अनुपस्थित थे। 5 कक्षाओं में परीक्षा का आयोजन हो रहा था, सभी कक्ष में नकल कराया जा रहा था। जांच के दौरान केंद्राध्यक्षों समेत 8 प्रर्यवेक्षक नकल मामले में शामिल पाये गए। केंद्र अध्यक्षक समेत 9 शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया गया। शिक्षकों निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी। निलंबित कर्मचारियों का मुख्यालय कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, रायगढ़ नियत किया गया है।

इन पर गिरी निलंबन की गाज :-

हेमंत पटेल, शिक्षक, पूर्व माध्यमिक शाला, बरमकेला, दिलीप सिदार, सहायक शिक्षक (एल.बी) प्रा.शा. हास्टलपारा बरमकेला, श्यामा सिदार, प्रधान पाठक प्रा.शा. पुरैना, गिरधारी पटेल, सहायक शिक्षक विज्ञान, शा.क.उ.मा.वि. बरमकेला, चन्द्रशेखर वैष्णव व्याख्याता शा.क.उ.मा.वि. बरमकेला, दयासागर प्रधान, व्याख्याता, शा.उ.मा.वि. सांकरा, अंजली सिदार, सहायक शिक्षक (एल.बी.) प्रा. शा.कनकीडीपा, लोकनाथ साहू सहायक शिक्षक, (एल.बी.) प्रा.शा.भंवरपुर,युवधेश पटेल, सहायक शिक्षक (एल.बी.) प्रा.शा. बुन्देली।

उद्यानिकी फसलों की नुकसान के संबंध में टोल फ्री नम्बर 1800-419-0344 में जानकारी दे सकते हैं

72 घंटे के भीतर देनी होगी फसल क्षति की जानकारी

दुर्ग, 20 मार्च (आरएनएस)। जिले में लगातार दो दिनों के बारिश के चलते जितने भी किसानों के फसलों के नुकसान हुआ है, वे अपने नुकसान की जानकारी बीमा कम्पनी के टोल फ्री नम्बर में दे सकते है। भारतीय कृषि बीमा कम्पनी के निर्धारित टोल फ्री नम्बर- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अंतर्गत निर्धारित टोल फ्री नम्बर 1800-419-0344 में फोन करके महत्वपूर्ण जानकारी जैसे किसान का नाम, फसल का नाम, जिले एवं ग्राम का नाम, खसरा नंबर एवं रकबा आदि बताकर किसान सूचना दर्ज करा सकते है। उद्यान विभाग के उपसंचालक से मिली जानकारी अनुसार योजनांतर्गत एडऑन कवर अंतर्गत ओलावृष्टि एवं चक्रवाती हवाएँ जोखिम को स्थानीय आपदा के रूप में सम्मिलित किया गया है। स्थानीय आपदा की स्थिति में कृषक घटना के 72 घंटे के भीतर इसकी सूचना सीधे एग्रीकल्चर इन्श्योरेंस कंपनी लिमिटेड के टोल फ्री नंबर 1800-419-0344 पर या लिखित रूप में बीमा कंपनी, संबंधित बैंक, स्थानीय उद्यानिकी विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों को बीमित फसल के ब्योरे, क्षति की मात्रा तथा क्षति का कारण सहित सूचित करेगा। सूचना प्राप्त होने के पश्चात् 48 घंटे के भीतर संबंधित संस्था द्वारा बीमित फसल के ब्योरे क्षति की मात्रा तथा क्षति के कारण आदि की जानकारी से बीमा कपंनी को अवगत करायेंगे। फसल क्षति/हानि संबंधित सूचना मिलने पर क्रियान्वयक बीमा कंपनी क्षेत्र में फसल की हानि का आंकलन लगाने के लिए 48 घंटे के भीतर निर्धारित अर्हता रखने वाले हानि निर्धारकों की नियुक्ति करेगा .

कंटेंट क्रिएशन फॉर स्वयं कोर्सेस विषय पर दो दिवसीय हुई कार्यशाला

दुर्ग,संवाददाता। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानन्द तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई में बुधवार को स्वयं पाठ्यक्रमों (स्वयं कोर्सेस) के लिए कंटेंट क्रिएशन फॉर स्वयं कोर्सेस विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ! कार्यशाला की शुरुआत सभी प्रतिभागियों के गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में उद्घाटन समारोह हुआ। इस कार्यशाला में प्राध्यापकों एवं विषय विशेषज्ञों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। कार्यशाला का उद्देश्य स्वयं पाठ्यक्रमों के लिए गुणवत्तापूर्ण सामग्री तैयार करने में शिक्षकों की क्षमता को बढ़ाना है, जिससे सम्बंधित विषय के क्षेत्र में सम्मानित वक्ताओं द्वारा आयोजित व्यावहारिक सत्र शामिल थे।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली में सह प्राध्यापक डॉ. शिखा राय ने कोर्स मटेरियल डिज़ाइन एवं वीडियो लेक्चर के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की! डॉ शिखा ने पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में सभी आवश्यक पहलुओं को उदाहरण के द्वारा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से समझाया। कार्यशाला के दूसरे सत्र में श्री राणा प्रताप जी, अग्रणी शैक्षिक समाधान प्रदाता, सौर्या एडुनेक्स्ट ने भी प्रभावी सामग्री विकास के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण और उपकरणों पर ध्यान केंद्रित करने वाले विषयों के साथ प्रतिभागियों के प्रश्नों का जवाब कार्यशाला में दिया। प्रतिभागियों को चर्चा में शामिल होने, विचारों का आदान-प्रदान करने और ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफार्मों के लिए आकर्षक और प्रभावशाली शिक्षण सामग्री डिजाइन करने के लिए नवीन रणनीतियों के बारे में सीखने का अवसर मिला।इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. संजय अग्रवाल, यू टी डी के निदेशक डॉ पी के घोष, स्वयं कोर्स के कोऑर्डिनेटर डॉ हरीश घृतलहरे, स्वयं कोर्स के सभी कोऑर्डिनेटर्स एवं को- कोऑर्डिनेटर उपस्थित थे। इस ऑनलाइन कोर्स के लिए सामग्री निर्माण में अपने कौशल और ज्ञान को बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए आयोजकों की सराहना की गई ।

तेज वर्षा व ओले गिरने की संभावना, मौसम विभाग ने किया सतर्क

कोरबा तापमान में लगातार गिरावट के साथ मौसमी उठा पटक का दौर दूसरे दिन भी जारी रहा। मौसम विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार आगामी 24 घंटे के भीतर तेज हवा चलने के साथ वर्षा और ओले गिरने की संभावना है। विभाग ने लोगों को सतर्क रहने के लिए कहा है। मंगलवार की शाम आसमान में बदली के साथ शाम को हुइ बूंदाबांदी के साथ ठंड का असर तेज हो गया। शहर में दोपहर को तापमान अधिकतम 23 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं देर शाम 11 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। मौसमी बदलाव का असर पिछले दो दिनों से जारी है। सुबह मौसम हल्का साफरहने के बाद शाम के समय में तेज हवा के चलने के साथ वर्षा की स्थिति देखी जा रही है। मंगलवार को शहर में भी इसी तरह की स्थिति देखी गई। पिछले 48 घंटे से आसमान में बदली और वर्षा का असर होने से वातारण में नमी हावी हो गया है। ठंड का असर जैसे फिर से लौट गया है। मौसमी उतार चढ़ाव का अलग अलग जगहों में भिन्नता देखी जा गई। शाम 5.30 बजे हुई वर्षा से कुछ पल के लिए लोगों को मार्ग के किनारे व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में सहारा लेना पड़ा। आसमान में देर शाम तक बदली छाई रही। मौसम के जानकारों की माने से आगामी दो दिनो बूंदाबांदी के साथ आसमान में बदली का दौर जारी रहेगा। खेतों में गेहूं फसल पकने की स्थिति में आ गई है। लंबे समय तक मौसम में परिवर्तन व वर्षा का सिलसिला रहने पर किसानों के लिए नुकसानदेय होगा। वर्षा के चलते कुछ किसान आगामी खरीफ फसल के लिए मिट्टी पलटी के लिए खेत की जुताई करा रहे हैं।

संपादकीय

जो आगे है अब आगे ही रहेगा..

...एक बार जो रेस में आगे निकल जाता है, वह फिर आगे ही रहता है, क्योंकि जो पीछे हैं उसकी रफ्तार इतनी तेज नहीं होती है कि वह जो आगे है उसकी बराबरी भी कर सके। वह रेस में पिछड़ता ही इसलिए ही कि वह दौड़ना ही देर से शुरू करता है। उसे बराबरी करने की इच्छा होती तो वह दौड़ उसी के साथ शुरू करना जो पहले ने दौड़ना शुरू कर आगे निकल रहा था। लोकसभा चुनाव के तारीखों की घोषणा भले ही शनिवार को हुई हो लेकिन भाजपा ने तो लोकसभा चुनाव की तैयारी महीनों पहले शुरू कर दी थी। इससे एक साल पहले ही हारी हुई सीटों पर जीत के लिए काम करना शुरू कर दिया था। पूरे पांच साल जनता की जरूरी सुविधाओं के लिए सरकार ने काम किया। गरीब लोगों को घर,बिजली,पानी, गैस,इलाज,राशनशौचालय आदि की व्यवस्था की। निचले स्तर के लोगों तक सुविधा पहुंचाकर करोड़ों लाभार्थी का एक स्थायी वोट बैंक बनाया। अब यही वोट बैंक भाजपा की जीत का आधार बन रहा है। इस आधार तथा विबक्ष के बिखराव के आधार पर भाजपा ने अपनी बड़ी जीत का दावा कर दिया है। देश में गूंज रहा है कि अब की बार चार सौ पार। लोकसभा चुनाव के लिए देश में सात चरणों में मतदान 19 अप्रैल से 1 जून तक होगा, देश के 97 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे। भाजपा ने अपने आधे प्रत्याशी घोषित कर दिए है जबकि कांग्रेस कई राज्यों में सहयोगी दलों के साथ सीठ शेयरिंग तक नहीं कर सकी है। कांग्रेस के बड़े नेता लोकसभा चुनाव नहीं लड़ना चाहतेहैं, इससे कांग्रेस को प्रत्याशी तलाशने में दिक्कत हो रही है.

माँ तूने मुझे जिंदगी का उजाला दिया।

माँ मुझे जन्म देकर जिंदगी का उजाला दिया,
इतनी शक्ति,ऊर्जा दी,पवित्र शब्द माँ पुकारता हूँ
तेरे दूध की ही ताकत है माँ,बलवान हुआ,
तब जाकर देश की सीमा में,दुश्मन से टकराता हूँ, पिता के करारे थप्पड़ों से तेरे आँचल ने बचाया मुझे, तब तो देश के गद्दारो से, इनसानियत को बचाता हूँ।

बेशकीमती है तेरे आंसू माँ,दूध तो अमृत गंगा है,
उसी के दम पर सरहदों पर,दुश्मन का सर काट पाता हु।

माँ तेरे दूध से तो मेरी दुनिया मेरी ताकत है कायम,
तू है तो,कभी कृश्न, अर्जुन, भीम,कभी राम बन पाता हु।

आज फिर नन्हा शिशु बना,आँचल में समेट ले माँ, फिर दुनिया की कुटिलता से परे नन्हा तेरा कान्हा बन जाता हूँ।

- संजीव ठाकुर

कब फांसी चढ़ेंगे नकली दवा के असली सौदागर?

इसे व्यवस्थाओं की नाकामियाबी कहें या भ्रष्टचार का खेल, लेकिन सच्चाई यही है कि इंसान की जान से बेपरवाह लोग, पैसों की हवस के आगे दरिन्दे बन मौत के सौदागर तक बन जाते हैं। कैंसर की नकली दवा बनाने वाले गिरोह के राष्ट्रीय राजधानी में पकड़े जाने के बाद लोग हैरान-परेशान हैं। यूं तो भारत में नकली दवाओं के खेल का सिलसिला लंबे वक्त से जारी है, जो रुकने का नाम नहीं ले रहा। इसका दूसरा पहलू यह भी कि इसे रोकने खातिर लंबे-चौड़े अमले पर भारी भरकम खर्च और सख्त कानूनों के बावजूद जारी रहना खुद में बड़ा सवाल है। नकली दवाओं के बेखौफदरिन्दे दिल्ली जैसी जगह में बैठकर सबको धता बता धोखेबाजी को अंजाम दें और शासन-प्रशासन के नुमाइन्दे च्नक्कालों से सावधान धोखेबाजों से सावधानज्ज् का राग अलापतें रहें तो अटपटा जरूर लगता है।

दिल्ली पुलिस ने तमाम सबूतों के साथ कैंसर की नकली दवा बनाने वाले जिस गिरोह का पर्दाफाश किया उसमें 12 लोग शामिल हैं, हो सकता है कई और पुलिस की रडार पर हों जो बाद में शिकंजे में आएं। दुखद यह कि आरोपियों में दो जाने-माने कैंसर अस्पताल के कर्मचारी थे। निश्चित रूप से पूरा गैंग, सारी तैयारियों से इस काम में जुटा था जिसकी कई पर्तें खुलना बांकी हैं। आगे और खुलासों से संभव है कि ऐसे कई और गैंग बेनकाब होंगे जो देश-विदेश में जहां-तहां जड़ें जमाए हों।

पिछले साल विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्ल्यू.एच.ओ.) ने भारत मे बिक रही कैंसर और लिवर की नकली दवाओं को लेकर चेताया था। कैंसर और लिवर की नकली दवाओं को नाम सहित उजागर कर जानकारी भी दी थी। नकली दवाओं के असली निर्माताओं ने भी दावा किया था कि उनके नाम व ब्रान्ड पर भारत में नकली दवाओं का असली खेल चल रहा है। तब तरह-तरह के सवाल लोगों के जेहन में आए कि क्या बाहर से नकली दवाओं की खेप आ रही है? कहीं किसी बड़े अंतर्राष्ट्रीय गिरोह की साजिश तो नहीं? लेकिन कुछ ठोस कार्रवाई होती दिखी नहीं।

शर्मनाक यह भी कि भारत के औषधि महानियंत्रक यानी ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफइंडिया (डी.सी.जी.आई.) तक बेसुध रहे कि कैंसर तथा लिवर के नकली इंजेक्शन धड़ल्ले से और खुले आम कैसे बिक रहे हैं। डब्ल्यू.एच.ओ. ने तो चेताया लेकिन यहां किसे होश आया? यह तो ठीक वैसा ही हुआ जैसे कोरोना का नकली रेमेडिसविर इंजेक्शन ने न जाने कितनों की जान ले ली और जिम्मेदार बेसुध रहे? डब्ल्यू.एच.ओ. की चेतावनी के बाद डी.सी.जी.आई. ने भी माना था कि देश में कैंसर में इस्तेमाल होने वाला इंजेक्शन एडसेट्रिस के आठ अलग-अलग नाम व प्रकार के नकली उत्पाद सहित लिवर की नकली दवा डिफिटेलियो भारतीय बाजार में मौजूद हैं। सवाल यही कि जानकर भी महकमे ने क्या किया?

यकीनन दिल्ली पुलिस ने काबिल-ए-तारीफकाम किया। लेकिन हैरानी है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को ड्रग कंट्रोलर की नकली दवाओं पर नजर रखने की हिदायत के बाद विभाग कितना चेता? कहां-कहां, क्या-क्या बड़ी कार्रवाई हुई? दिल्ली में पकड़े गए इस अकेले गिरोह ने दो सालों में ही करोड़ों रुपए की दौलत बनाई। अभी देश में न जाने कितने गिरोह पर्दे के पीछे होंगे? पैसों के भूखे इन नरपिशाचों की करतूतें रोंगटे खड़े करने वाली हैं। बेहद सुनियोजित तरीकों से अपने काम को अंजाम देता यह गिरोह कैंसर की दवा की खाली शीशी पांच हजार रुपए में खरीदता जिसकी कीमत 2.96 लाख रुपये तक होती। इनमें फ्लूकोनॉजोल जो कि एक एंटी फंगल दवा है जो करीब 100 रुपए में आती है भरता और इंजेक्शन में नकली दवाइयों को मिलाकर बाजारों में सप्लाई करता। यह दवा कीमोथेरेपी में उपयोग होती जो बेअसर होने के साथ जानलेवा भी रही।असली दवा की कीमत हजारों से लेकर लाखों रुपये तक होती। ये अपने नेटवर्क के जरिए नकली दवा सस्ते में जहां-तहां बेचते और लंबा मुनाफा कमाते। इस अकेले गैंग के पास से 89 लाख रुपये नकद, 18 हजार रुपए के डॉलर और चार करोड़ रुपए की 7 अंतरराष्ट्रीय और 2 भारतीय ब्रांडों की कैंसर की नकली दवाएं बरामद होना ही इनके बड़े नेटवर्क का संकेत है। जिसके तार भारत ही नहीं बल्कि चीन और अमेरिका तक फैले हैं। तीन महीने की जांच के बाद दिल्ली पुलिस की टीम ने 7- 8 जगहों पर एक साथ छापेमारी की। रीफिलिंग और पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाली कई मशीनों के साथ बड़ी तादाद में खाली शीशियां बरामद की। यकीनन नकली दवा का असली खेल बेहद चिंताजनक है। ऐसे तमाम गिरोहों को बेनकाब कर लोगों की जान से खिलवाड़ रोकने के लिए सख्ती और सतर्कता जरूरी है। नकली दवा की पहचान का भी तरीका है। दवा पर दर्ज क्यूआर कोड स्कैन करते ही दवा का डिटेल मिल जाएगा। कोड नहीं होने पर नकली हो सकती है। कोड से दवा की जानकारी ड्रग विभाग की वेबसाइट पर मिलेगी जो मिलाई जा सकती है जो यहां सबके बस की बात नहीं।

अमेरिकन कैंसर सोसायटी के जाने-माने जर्नल ग्लोबल आंकोलॉजी के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2000 से 2019 के बीच भारत में कैंसर से 1 करोड़ 28 लाख से भी ज्यादा मौतें हुई। वहीं भारतीय नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम यानी एन.सी.आर.पी. के केवल दो वर्ष के आंकड़े बताते हैं कि 2020 से 2022 के दौरान देश में 23 लाख 67 हजार 990 लोगों की मौत कैंसर के किसी न किसी प्रकार से हुई। भला कैसे पता चलेगा कि इनमें नकली दवा से कितनों की जान गई? शायद कभी नहीं।

बड़ा सवाल यह कि हराम की कमाई के चक्कर में खुले आम धूल झोंकने वाले ये मौत के सौदागर कभी फांसी के फन्दे तक पहुंच पाएंगे? इन्हें नजर अंदाज करने वाले जिम्मेदारों पर भी क्या कभी फंदा कसेगा? यकीनन कैंसर जैसी घातक और दर्दनाक बीमारी झेल रहे किस्मत के मारे अधमरे लोगों की जिंदगी से खेलने वाला हर वो शख्स इस पाप का बराबर भागीदार है जिसे इस घिनौने खेल का पता था। आगे से लोगों को मौत देकर दौलत बटोरने का ऐसा घिनौना खेल नहीं होगा इसकी गारंटी कौन देगा?

यह निजी विचार है।

आओ मिलकर गौरैया को बचाएं

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

विश्व गौरैया दिवस प्रतिवर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है। गौरैया चिकने, गोल सिर और गोलाकार पंखों वाली सुंदर पक्षी हैं। उनके पास सुंदर आवाजें हैं, उनकी चहकती और गायन की आवाज हर जगह सुनाई देती है। इन खूबसूरत पक्षियों को समर्पित एक खास दिन को विश्व गौरैया दिवस के नाम से जाना जाता है। पृथ्वी पर सबसे सर्वव्यापी पक्षियों में से एक गौरैया है, मुख्य रूप से आम घरेलू गौरैया। यह मनुष्य के सबसे पुराने साथियों में से एक है। समय के साथ, वे हमारे साथ विकसित हुए। गौरेया कभी पूरी दुनिया में एक आम पक्षी हुआ करती थी, लेकिन हाल के वर्षों में, यह पक्षी शहरी और ग्रामीण दोनों आवासों में अपनी अधिकांश प्राकृतिक सीमा में विलुप्त होने के कगार पर है। उनका पतन हमारे आसपास के पर्यावरण के निरंतर क्षरण का सूचक है।

विश्व गौरैया दिवस 20 मार्च को पर्यावरण से प्रभावित गौरैया और अन्य आम पक्षियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है जो विलुप्त होने के कगार पर हैं। बचपन में, सोते समय या भोजन के दौरान हम सभी अपने दादा-दादी और माता-पिता द्वारा गौरैया, बंदर, लोमड़ी, राजा, रानी आदि के बारे में कहानियाँ सुनते हैं। पहले ज्यादातर हम गौरैया की मधुर चहचहाहट से जागते थे, लेकिन ये आम घरेलू गौरैया आज विलुप्त होने के कगार पर हैं। कहा जाता है कि गौरैया अब सिर्फ एक याद बनकर रह गई है। बड़ी-बड़ी ऊंची-ऊंची इमारतों के कारण प्राकृतिक वनस्पतियां और जीव-जंतु अस्त-व्यस्त हो गए हैं। और यह सर्वव्यापी पक्षी अब आम नजर नहीं आता।

इस ओर जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है। हमें उम्मीद है कि इस दिन व्यक्ति, विभिन्न सरकारी एजेंसियां, वैज्ञानिक समुदाय उन्हें बचाने के उपायों के साथ आगे आएंगे। इस तरह हम जैव विविधता को भी बचा सकेंगे। हमारे सबसे पुराने साथी विलुप्त होने के कगार पर क्यों हैं इसका कारण तलाशना जरूरी है। विश्व भर के कई देशों में हर साल 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है। हर साल थीम के हिसाब से सेलिब्रेशन का आयोजन किया जाता है। हम सभी का बचपन से ही गौरैया के साथ एक खास तरह का रिश्ता रहा है। थीम ÷आई लव स्पैरो÷ लोगों को गौरैया के साथ प्यार और बंधन की याद दिलाएगा और उन्हें आगे आने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

पहला विश्व गौरैया दिवस 20 मार्च 2010 को मनाया गया था। घरेलू गौरैया और पर्यावरण से प्रभावित अन्य आम पक्षियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल यह दिन पूरे विश्व में मनाया जाता है। भारत में नेचर फॉरएवर सोसाइटी ने विश्व गौरैया दिवस मनाने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय पहल शुरू की। यह सोसाइटी फ्रांस के इकोसिस्टम एक्शन फाउंडेशन के साथ मिलकर काम करती है. द नेचर फॉरएवर सोसाइटी की स्थापना एक भारतीय संरक्षणवादी, मोहम्मद दिलावर ने की थी, जिन्होंने नासिक में घरेलू गौरैया की मदद करके अपना काम शुरू किया था। उनके प्रयासों के लिए, उन्हें 2008 में टाइम पत्रिका द्वारा ÷पर्यावरण के नायक ÷ नामित किया गया था।

क्या आप नर और मादा गौरैया में मुख्य अंतर जानते हैं? मादाओं की धारियों के साथ भूरी पीठ होती है, जबकि नर की काली बिब के साथ लाल रंग की पीठ होती है। साथ ही, नर गौरैया मादा से थोड़ा बड़ा होता है।

2. गौरैया झुंड के रूप में जानी जाने वाली कॉलोनियों में रहती हैं।

3. अगर उन्हें खतरा महसूस हो तो वे तेज गति से तैर सकते हैं।

4. गौरैया स्वभाव से आक्रामक नहीं होती हैं; वे सुरक्षात्मक हैं और अपने घोंसले का निर्माण करते हैं।

5. नर गौरैया अपनी मादा समकक्षों को आकर्षित करने के लिए घोंसले का निर्माण करते हैं।

6. घरेलू गौरैया (पासर डोमेस्टिकस) गौरैया परिवार पासरिडे का एक पक्षी है।

7. घरेलू गौरैया शहरी या ग्रामीण परिवेश में रह सकती हैं क्योंकि वे मानव आवासों से दृढ़ता से जुड़ी हुई हैं।

8. वे व्यापक रूप से विभिन्न आवासों और जलवायु में पाए जाते हैं, न कि जंगलों, रेगिस्तानों, जंगलों और घास के मैदानों में।

9. जंगली गौरैया का औसत जीवन 10 वर्ष से कम और मुख्य रूप से 4 से 5 वर्ष के करीब होती है।

10. घरेलू गौरैयों की उड़ान सीधी होती है जिसमें निरंतर फड़फड़ाना और ग्लाइडिंग की कोई अवधि नहीं होती है, औसतन 45.5 किमी / घंटा (28.3 मील प्रति घंटे) और प्रति सेकंड लगभग 15 पंखों की धड़कन होती है।

तो अब हमें पता चला है कि दुनिया भर में हर साल 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस क्यों मनाया जाता है ,ताकि इन सामाजिक चहकती पक्षियों को बचाने के लिए लोगों और देशों में जागरूकता बढ़ाई जा सके, जो विलुप्त होने के कगार पर हैं।

मकान के सारे दरवाजे बंद, ऐ/सी जो चल रहा है,
गौरैया भीतर आए अब कैसे..? घर में पंखे चल रहे हैं,
भीतर आये तो टकरा मर जाए। जिन फोटो के पीछे वो घोंसला
बनाती, वहां पेंटिंग जडी है, माता-पिता की फोटो तो पी/सी
के फोल्डर में कैद पड़ी है..।

यह निजी विचार है।

खास - खबर

दो दिनों में शहर क्षेत्र से 29 हजार से अधिक बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स सहित अन्य सामग्री हटाये गये

दुर्ग। लोकसभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील होते ही नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र में युद्ध स्तर पर सम्पत्ति विरूपण की कार्यवाही निरन्तर जारी है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के मार्गदर्शन में निगम क्षेत्र में निगम अमला द्वारा मुस्तैदी के साथ सम्पत्ति विरूपण की कार्यवाही की जा रही है। सार्वजनिक एवं निजी सम्पत्तियों से दो दिनों में 29 हज़ार से अधिक बैनर,पोस्टर वॉल राइटिंग,पत्थरो को ढकाने एवं अन्य प्रचार समाग्री हटाया गया।इसके अलावा 40 होर्डिंग्स हटाए गए। आचार संहिता लगने से अब तक हजारो बैनर,वॉल राईटिंग एवं अन्य प्रचार सामग्री हटायी गई। शहर के चौक चौराहों से बैनर,पोस्टर,होर्डिंग्स एवं अन्य प्रचार सामग्रियों को हटाया गया। निगम द्वारा शहर में गली मोहल्ले सहित चौक चौराहों से बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स एवं अन्य प्रचार सामग्री जब्त भी की गई। सम्पत्ति विरूपण की कार्यवाही क्षेत्र में युद्धस्तर पर की जा रही है।

सरयूपारीण ब्राम्हण समाज की महिलाओं ने खेली फूलों की होली, नाच गाकर मनाई खुशियां

दुर्ग। छत्तीसगढ़ी सरयूपारीण ब्राम्हण समाज ने ग्राम तर्रा के रेस्ट हॉउस में होली की खुशियां मनाई। इस दौरान महिलाओं ने फूलों की होली खेली और ढोल-नंगाड़े की थाप में जमकर थिरके। आकर्षक प्रतियोगिता में भी महिलाओं ने अपनी प्रतिभाएं साबित की। समाज की अध्यक्ष अनीता पांडेय के नेतृत्व में आयोजित होली मिलन समारोह में सर्वप्रथम समाज की महिलाओं ने ठकुराईन टोला (पाटन) में भगवान शिवजी के दर्शन किए और समाज व प्रदेश के लोगों की खुशियाली के लिए कामना की गई। तत्पश्चात समाज की महिलाएं तर्रा रेस्ट हॉउस पहुंची। जहां उन्होने सामुहिक रुप से फूलों से होली खेलकर खुशियां मनाई गई। महिलाओं ने फाग गीत की धुन में नाच-गाकर होली की खुशियां प्रकट की।इस अवसर पर समाज की महिलाओं ने पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का भी लुत्फ उठाया। होली मिलन समारोह में समाज की महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुई।

शारीरिक शिक्षा शिक्षक संघ नव नियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा से मिले, किया सम्मान

दुर्ग। शारीरिक शिक्षा शिक्षक संघ दुर्ग जिला द्वारा नव नियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष कौशलेंद्र पटेल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आरती शुक्ला, संयुक्त सचिव रुक्मणी यादव, कबड्डी के कोच भारत ताम्रकार, खेल युवा कल्याण विभाग प्रदीप भुवल उपस्थित रहे। नवनियुक्तजिला शिक्षा अधिकारी पदस्थ होने पर व्यायाम शिक्षक बहुत हर्षित हुए । बधाई देने वाले में प्रदेश उपाध्यक्ष जयंत वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष पवन यादव, प्रदेश संगठन सचिव निखिल जंभुलकर, जिला सचिव टूमन देवांगन, उपाध्यक्ष दुष्यंत महोबिया,अशोक रीगरी, संतोष यादव, प्रमुख सलाहकार अखिलेश शर्मा, कोषाध्यक्ष पी नागेश्वर राव, सह सचिव शिव रजक, सनत साहू, नीतासोनी सुधा बलहरिया, सपना बनोडे, प्रमोद तिवारी, जावेद कुरैशी, कुसुम यादव आदि व्यायाम शिक्षक नए जिला शिक्षा अधिकारी को शुभकामनाएं दी है।

पीएम मोदी का प्रचार करने तमिलनाडू से निकली बुलेट रानी राजलक्ष्मी, भाजपा कार्यकार्ताओं ने किया अभिनंदन

भिलाई। देश के प्रधानमंत्री की छवि ऐसी है कि हर कोई उनका मुरीद है। इन दिनों पीएम मोदी ने भारतीय जनता पार्टी की शाख दक्षिण के राज्यों में भी मजबूत करने का अभियान शुरू किया है। पीएम मोदी के प्रयास को काफी फायदा भी मिल रहा है। इसका नतीजा है कि प्रधानमंत्री मोदी से प्रभावित होकर तमिलनाडू की महिला राजलक्ष्मी मंदा ने बुलेट नईदिल्ली तक बुलेट की यात्रा शुरू की है। 21000 किमी की यात्रा पर निकली राजलक्ष्मी मंगलवार 19 मार्च को भिलाई पहुंची। भिलाई में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया और उनके साहस को नमन किया।

भाजपा जिला भिलाई के अध्यक्ष महेश वर्मा की उपस्तिथि एवं युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अमित मिश्रा के नेतृत्व में बुलेटरानी राजलक्ष्मी मंदा का अभिनंदन किया गया। राजलक्ष्मी का भिलाई भाजपा द्वारा जगह जगह अभिनंदन किया गया।

इस दौरान नेहरूनगर चौक, अंबेडकर पावर हाउस चौक और सिरसा चौक में फूल माला एवं ढोल बाजे, फटाके के साथ भारत माता की जय के जयकारे के साथ स्वागत किया गया।

भाजपा जिला अध्यक्ष महेश वर्मा ने कहा कि वोट फॉर इंडिया, वोट फॉर मोदी के नारे को बुलंद करने वाली राजलक्ष्मी का साहस सराहनीय है। उनका सभी भाजपा कार्यकताओं की ओर से भिलाई की पवन धरा पर स्वागत करते है। भाजयुमो जिला अध्यक्ष अमित मिश्रा ने कहा कि राष्ट्र एकता का संदेश और युवाओं को मत की ताकत का संदेश देने के उद्देश्य से निकली बुलेटरानी राजलक्ष्मी का अभिनंदन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व भाजपा के प्रचार के लिए तमिलनाडु से दिल्ली की यात्रा बुलेट पर करना काफी साहस का काम है। युवा मोर्चा जिला भिलाई के द्वारा विभिन्न स्थलों में राष्ट्र की एकता के लिए समर्पित ऐसी साहसी महिला का भिलाई जिले के विभिन्न स्थलों पर स्वागत किया गया।

स्वागत के दौरान प्रमुख रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष महेश वर्मा, महामंत्री प्रेमलाल साहू, बिजेंद्र सिंह, जिला कोषाध्यक्ष विनोद सिंह, जिला मंत्री संतोष मौर्य, मीडिया प्रभारी रमेश दादर, सह प्रभारी रंजीत सिंह, मंडल अध्यक्ष अशोक गुप्ता, रूपराम साहू, भाजयुमो जिला अध्यक्ष अमित मिश्रा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष स्वीटी कौशिक, कंचन सिंह, जिला महामंत्री विशालदीप नायर, रितेश सिंह, प्रदेश सह प्रशिक्षण नितेश मिश्रा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राहुल परिहार, रोहन सिंह, विनोद गुप्ता, जिला मंत्री सौरभ चटर्जी, हर्षल यादव, कोषाध्यक्ष मोहनीश काले, जिला सोशल मीडिया प्रमुख जयंत शर्मा, स्वाध्याय मंडल प्रमुख पी राज, सतीश दुबे, प्रशिक्षण प्रमुख हरिओम चौहान, निखील सोनी, मंडल अध्यक्ष नवीन सिंह, विनय सेन, मनीष पिपरोल, सीएच प्रशांत, डिकेश पटेल, महामंत्री आशु तिवारी, विनय मानिकपुरी, गोविंद पटेल, किशन साहू, सिद्धार्थ राजपूत, अभय चौबे, रॉकी, हिमालय, मृत्युंजय साहू, गौतम सोना, प्रदीप पांडेय, धर्मेंद्र पांडे सहित अन्य युवा साथी उपस्थित रहे।

ई-एपिक कार्ड के साथ पहचान पत्र प्रस्तुत कर मतदान प्रक्रिया में ले सकते हैं भाग

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के बिना अनुमति कोई भी अधिकारी, कर्मचारी मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में अधिकारियों की बैठक में जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली, साथ ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी निर्वाचन कर्त्तव्य के साथ-साथ विभागीय रूटिंग कार्य भी संपादित करना सुनिश्चित करें। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के लिए विगत 16 मार्च से आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गया है। निर्वाचन कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य है। इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। अपने दायित्व का निर्वहन गंभीरतापूर्वक करें।

कलेक्टर सुश्री चौधरी ने कहा कि आदर्श आचरण संहिता लगने के पश्चात् 24, 48 एवं 72 घंटे अंतर्गत संपादित सभी कार्य निर्धारित समयावधि में प्राथमिकता के साथ पूर्ण कर लिया जाए। विभागीय शासकीय वेबसाईट से मंत्री एवं योजनाओं की विज्ञापन आदि हटा ली जाए। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान सभी प्रकार के अवकाश प्रतिबंधित है, कोई भी अधिकारी/कर्मचारी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुमति बिना न ही अवकाश पर जाएंगे और न ही मुख्यालय छोड़ेंगे।

कलेक्टर ऋ चा प्रकाश चौधरी ने नवीन राशनकार्ड वितरण के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। इस दौरान जिले में नवीन राशनकार्ड का वितरण नहीं किया जाएगा। उन्होंने खाद्य नियंत्रक को इस संबंध में नगरीय निकायों एवं जनपद पंचायतों में राशनकार्ड वितरण नहीं कराने संबंधित अधिकारियों को अवगत कराने निर्देशित किया। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने कतिपय एपिक कार्ड नहीं मिलने की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को संबंधित बीएलओ के माध्यम से जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाता के पास यदि एपिक कार्ड उपलब्ध नहीं है तो वे ईसीआई के वेबसाईट से ई-एपिक डाउनलोड कर मतदाता पहचान हेतु आयोग द्वारा निर्धारित किसी भी एक पहचान पत्र दिखाकर मतदान प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराये जाने के लिए गठित किये गये उड़नदस्ता दल (एफ्एसटी) एवं स्थैतिक निगरानी दल एसएसटी में जिन अधिकारी/कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, वे कार्य प्रारंभ सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि दल के अधिकारियों को विभाग द्वारा उपलब्ध वाहन का ही उपयोग करना होगा। वाहन के लिए फ्यूल आदि का प्रबंध भी संबंधित विभाग के द्वारा ही किया जाए। उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी को निर्वाचन के लिए अभी से वाहन अधिग्रहण प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर सुश्री चौधरी ने सेक्टर अधिकारियों को संबंधित मतदान केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं कराने के साथ ही 30 सहायक मतदान केन्द्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाए सुनिश्चत कराने कहा। इसी प्रकार मतदान केन्द्रों में वोटर सहायक, कुलर एवं पेयजल की समुचित प्रबंध व केन्द्रों के बाहर आवश्यक जानकारियां उल्लेखित कराने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया है। कलेक्टर ने कहा कि जिले के 85 प्लस और दिव्यांग वोटर्स का शत-प्रतिशत् मतदान संपन्न कराना है, इस हेतु संबंधित अधिकारी मतदान दल एवं सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे। जिले में मतदाता जागरूकता हेतु बेहतर प्लान के साथ सभी एआरओ स्वीप कार्यक्रम कराए।

बैठक में एडीएम अरविन्द एक्का, नगर निगम भिलाई के आयुक्त देवेश ध्रुव, जिला पंचायत सीईओ अश्वनी देवांगन, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन सहित सभी एसडीएम, सभी जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के अधिकारियों सहित समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

निर्वाचन संबंधी कार्यों हेतु अधिकारी-कर्मचारी नियुक्त

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार संयुक्त कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी हरवंश सिंह मिरी द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु वाहन प्रभारी एवं रूट चार्ट तैयार करने, मतदाता सूची की चिन्हित प्रति तैयार करने, मतदाता सूची का अवलोकन करने व सामग्री वितरण व वापसी संबंधी कार्य करने के लिए अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विधानसभा क्षेत्र पाटन 62 के लिए सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख रमेश कुमार साहू को प्रभारी अधिकारी एवं राजस्व निरीक्षक परि.भू. हिरेंद्र क्षत्रीय, संबंधित क्षेत्र के राजस्व निरीक्षक एवं हल्का पटवारी को सहायक अधिकारी नियुक्त किया गया है एवं इनके सहयोग हेतु सहायक ग्रेड 3 भारत उईके दुबे, चैनमेन श्रीमती गीता बाई एवं श्रीमती रानी राव की ड्यूटी लगाई गई है।

निगम भिलाई एवं रिसाली के चिन्हित क्षेत्र में 21 मार्च को प्रभावित होगा पेयजल आपूर्ति

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के 66 एम.एल.डी. जलशोधन संयंत्र के 800 एम.एम.डाया के राइजिंग मेन पाइप लाईन में हुए लिकेज को संधारण कार्य किये जाने के कारण 21 मार्च को निगम भिलाई एवं निगम रिसाली के आंशिक क्षेत्र में जल प्रदाय प्रभावित रहेगा।

जल कार्य विभाग के अधीक्षण अभियंता संजय शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया की भिलाई निगम के 66 एम.एल.डी. फिल्टर प्लांट से निगम भिलाई तथा रिसाली के कुछ क्षेत्रो में पेयजल कि आपूर्ति किया जाता है। 66 एम.एल.डी. जलशोधन संयंत्र के 800 एम.एम.डाया राइजिंग पाइप लाईन लिकेज हो जाने के कारण उसका संधारण कार्य 20 मार्च को किया जायेगा। जिसके परिणाम स्वरूप शड्डाउन लेने पर पानी टंकी में जल भराव का कार्य नहीं होने के कारण नेहरू नगर, स्मृति नगर, खम्हरिया, स्लाटर हाउस एवं फरीद नगर उसी प्रकार रिसाली निगम क्षेत्र रिसाली, रूआबांधा, नेवई तथा मरोदा क्षेत्र में 21 मार्च को पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहेगा।

निगम प्रशासन ने चिन्हित क्षेत्र के नागरिको से अपील किया है कि 20 मार्च को अपने घरो में पेयजल तथा निस्तारी हेतु पर्याप्त मात्रा में पानी संग्रहित कर रख लेवें निगम द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में व्यकल्पिक व्यवस्था भी मांग के आधार पर सुनिश्चित करेगा।

पेयजल की समस्या के लिए हेल्प लाईन नम्बर

भिलाई निगम क्षेत्र में पेयजल की समस्या के निदान के लिए मुख्य कार्यालय सुपेला में हेल्प डेस्क की स्थापना किया है। जिसका दुरभाष क्रमांक- 07882294303 है। जिनमें सम्पर्क कर नागरिक अपनी पेयजल संबंधी शिकायत दर्ज करवा सकते है।

निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण अंतर्गत प्रर्वतन एजेंसियों की बैठक सम्पन्न

आर्थिक अपराधों पर नियंत्रण एवं निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण पर दिया गया जोर

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिले में शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने चुनाव प्रचार के दौरान किसी भी प्रकार की प्रलोभन या अनुचित प्रभाव डालने वाले तत्वों को रोकने के लिए सभी बॉर्डर चेक पोस्टों, रेल्वे स्टेशनों, बस स्टैंडों एवं स्टापजों, बैंकों में अनियमित लेनदेनों और गैर कानूनी गतिविधियों पर खास नजर रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से लोकसभा चुनाव के लिए सभी अधिकारियो को सावधानी बरतने और सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने को कहा है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभा कक्ष में लोकसभा निर्वाचन-2024 निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण अंतर्गत प्रर्वतन एजेंसियों की बैठक

आयोजित की गई।

कलेक्टर सुश्री चौधरी ने शराब की अवैध बिक्री एवं वितरण को रोकने हेतु जिले के सभी उत्पादन की इकाईयों एवं गोदामों आदि पर निगरानी रखने, अवैध शराब जप्त करने के लिए छापेमारी करने, सभी चेक पोस्टों और बॉर्डर चेकपोस्टों पर शिफ्टवाइज ड्यूटी लगाकर वाहनों पर सतत रूप से गहन निगरानी रखने, शराब दुकान खुलने एवं बंद होने के समय की निगरानी रखने जिला आबकारी अधिकारी को निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अवैध धन की आवा-जाही पर सतत मॉनिटरिंग कर आयकर कानूनों के तहत आवश्यक कार्यवाही करने आयकर अधिकारी को निर्देश दिए है। उन्होंने बैंकों में अनियमित वित्तीय लेनदेन, दस लाख रूपए से अधिक के ट्रांजेक्शन, नए खातों की मॉनिटरिंग, उद्योगों-फर्मों के स्टॉक वेरिफिक्रेशन करने के साथ ही होटलों, फार्म हाउस, वित्तीय दलालों, कैश कुरियर, आयकर रिटर्न दाखिल करवाने और सत्यापित करने कहा।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराए जाने उड़नदस्ते (एफ्एसटी) और स्थैतिक जांच दल (एसएसटी) गठित कर दलों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र स्तर पर उड़न दस्ते तैनात रहेंगे, इसमें वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, एक वीडियोग्रॉफर और पुलिसकर्मी रहेंगे। यह दल अवैध रूप से नगदी, शराब अथवा अन्य कोई सामान जो कि मतदाताओं को प्रलोभन के लिए दिया जा सकता है, उसे स्व प्रेरणा से रोकने की कार्रवाई करेंगे और प्रतिदिन की गई कार्रवाई की जानकारी एसपी और जिला निर्वाचन अधिकारी को देनी होगी। एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने कहा कि चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रलोभन देने अवैध रूप से नगद राशि, कपड़े, बर्तन, जेवर, शराब आदि के वितरण पर निगरानी रखने और जिले एवं राज्य की सीमा क्षेत्रो में बनाए गए चेक पोस्ट, बैरियर, नाका में वाहनों की सघन चेकिंग करने को कहा। उन्होंने टीम बनाकर कार्य करने को कहा। उन्होंने इस तरह की अवैध परिवहन की जानकारी होने पर संबंधित विभाग एवं पुलिस को तत्काल सूचना देने को कहा। उन्होंने विभागो को आपसी समन्वय से नियम और प्रावधानों के दायरे में निष्पक्षता के साथ कार्य संपादित करने को कहा।

बैठक में अपर कलेक्टर अरविंद एक्का एवं योगिता देवांगन, वनमण्डलाधिकारी, भिलाई नगर निगम आयुक्त देवेश ध्रुव, डिप्टी कलेक्टर श्री महेश राजपूत, एसडीएम मुकेश रावटे, सहायक आयुक्त सेन्ट्रल जीएसटी, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, संयुक्त आयुक्त राज्य कर भावना अली, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी एस.एल.लकड़ा, प्रधान डाकपाल मुख्य डाकघर, नोडल अधिकारी महेश सिंह राजपूत, सहायक नोडल अधिकारी डॉ. दिवाकर सिंह राठौर, आयकर अधिकारी रंजनी कुमार, एईओ, लीड बैंक अधिकारी दिलीप नायक, आबकारी, आयकर एवं जीएसटी विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

वीरांगना अवंतीबाई का बलिदान दिवस मनाया गया

आजादी के संघर्ष में रानी अवंतिबाई का योगदान अतुलनीयः वोरा

दुर्ग। पद्मनाभपुर जेल तिराहा स्थित वीरांगना अवंती बाई लोधी की प्रतिमा के पास वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा की उपस्थिति में लोधी समाज के द्वारा अमर शहीद अवंती बाई का बलिदान दिवस मनाया गया। अंग्रेजों के अत्याचार और गुलामी से मुक्त होने के लिए वर्ष 1857 में आजादी की लड़ाई का बिगुल फूंका गया था जिसमें महारानी वीरांगना अवंति बाई का महत्वपूर्ण योगदान था जिन्होंने अंग्रेजी सेना से लोहा लेते हुए 20 मार्च 1858 को शहादत दी थी।

श्री वोरा ने रानी अवंति बाई की प्रतिमा का पूजा-अर्चना कर कहा की उनके बलिदान को नमन करते हुए आजादी के प्रथम संघर्ष में वीरांगना अवंतीबाई का योगदान भुलाया नहीं जा सकता। अंग्रेजों की

गुलामी से देश की जनता को आजाद कराने के लिए पहली बार 1857 मे देश में आक्रोश पनपा था जिसकी अगुवाई करने वालों में रानी अवंतीबाई भी शामिल रहीं। इस अवसर पर दुर्ग-भिलाई लोधी क्षत्रिय समाज द्वारा कोहका से पद्मनाभपुर जेल तिराह अवंति बाई चौक तक वाहन रैली का भी कार्यक्रम भी हुआ। इस दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेश शर्मा, लोधी समाज के उत्तम वर्मा, राजेश जंघेल, रामअवतर चंदेल, अजय गारुड़िक, मनखम सिंह लोधी, अरविंद चंदेल, मेहतरुराम वर्मा, दिलीप वर्मा, शेखर वर्मा, दुर्गेश वर्मा, सुरेन्द्र कौशिक, देवेन्द्र कौशिक, जोगेन्द्र जंघेल, उमाशंकर वर्मा, धसीधरन वर्मा एवं दुर्ग-भिलाई लोधी समाज के नागरिकगण उपस्थित थे।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

अंतत : कद्दावर कांग्रेस नेता इंजी रवि पाण्डेय ने कांग्रेस से किया अलविदा

प्रदेश संयुक्त सचिव के साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से दिया इस्तीफा

जाँजगीर-चाँपा। लंबे समय से चली आ रही अटकलों व कयासों के बीच आज अंततः जिले की कद्दावर कांग्रेस नेता इंजीनियर रवि पांडेय ने पार्टी को अलविदा कह दिया है और प्रदेश कांग्रेस के संयुक्त सचिव पद के साथ ही पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफ़ा दे दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को भेजे अपने पत्र में उन्होंने लिखा हैं कि मैं वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी में संयुक्त महासचिव के पद पर कार्यरत हूँ। विगत 30 वर्षों से भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन, युवक कांग्रेस और मुख्य संगठन के माध्यम से हर परिस्थिति में पार्टी को अपनी सेवा दिया। विशेषकर पार्टी के डिजिटल सदस्यता अभियान में जाँजगीर- चाँपा ज़िले में 43 हज़ार सदस्य बनाकर प्रदेश में प्रथम स्थान पर एवं 2018 के शक्ति प्रोजेक्ट सदस्यता अभियान में जाँजगीर- चाँपा विधानसभा क्षेत्र में 10 हज़ार सदस्य जोड़कर प्रदेश में द्वितीय स्थान पर रहा। परंतु विगत कुछ महीनों से ख़ासकर विधानसभा चुनाव के समय और उसके बाद पार्टी के कई निर्णयों से मैं असहमत हूँ।

महोदय अंतर्मन की असहमति के कारण मैं कांग्रेस पार्टी में कार्य करने में असमर्थ हूँ इसलिए अपने वर्तमान पद के साथ साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से आज दिनांक 20.03.2024 को इस्तीफ़ा देता हूँ।

वैसे कुछ महीनों से जनचर्चा थी कि इंजी. रवि पाण्डेय कांग्रेस पार्टी का साथ छोड़ सकते हैं और आज उस चर्चा को विराम लग गया। इंजी. पाण्डेय कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे हैं और विधानसभा के विगत तीन चुनावों से मज़बूत दावेदार भी रहे हैं, विशेषकर विगत विधान सभा के चुनाव के पहले सदस्यता अभियान में प्रदेश में टॉप रहने के साथ साथ उनकी सक्रियता के चलते इंजी. पाण्डेय की टिकट पक्की मानी जा रही थी परंतु अंतिम समय में उनके नाम की जगह व्याश कश्यप के नाम पर पार्टी ने मुहर लगा दी। बाद में अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के समय पार्टी के द्वारा निमंत्रण स्वीकार नहीं करने पर इंजी. पाण्डेय ने पार्टी से पुनर्विचार करने का आग्रह किया था परंतु पार्टी अपने निर्णय पर क़ायम रही। वैसे निकट भविष्य में इंजी. पाण्डेय का अगला कदम क्या होगा यह तो वक्त ही बताएगा परंतु ज़िले में सहज, सरल और सुलभ उपलब्ध नेता के रूप में इंजी. पाण्डेय की छवि है जो हमेशा शासन की योजनाओं का लोगों को लाभ दिलाने में तत्पर रहते हैं। इस वजह से इंजी. पाण्डेय की ज़िले में सहयोगियों और समर्थकों की लंबी फेहरिस्त है। बहरहाल कांग्रेस पार्टी से इस्तीफ़ा देने के बाद उनका अगला कदम क्या होगा, वह अभी स्पष्ट नही हुआ है जो आगामी दिनों में देखने को मिल सकता है।

लोकसभा स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में आज शामिल होंगे पायलट और महंत

जांजगीर-चांपा.. लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी घोषित होने के पश्चात कार्यकर्ताओं को बूथ तक सक्रिय करने के लिए लोकसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया है इस संबंध में जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता पार्षद नागेंद्र गुप्ता ने बताया कि 21 मार्च को नैला जांजगीर स्थित अग्रसेन भवन में दोपहर 3:00 बजे से कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया है जिसमे सचिन पायलट राष्ट्रीय महासचिव व प्रभारी छत्तीसगढ़ कांग्रेस , डॉ. चरण दास महंत नेता प्रतिपक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा, दीपक बैज अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी, विजय जांगिड़ सहप्रभारी, छत्तीसगढ़ कांग्रेस, डॉ शिवकुमार डहरिया प्रत्याशी जांजगीर-चांपा लोकसभा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गण एवम् जांजगीर चांपा लोकसभा क्षेत्र के सभी विधायक गण, अभा कांग्रेस, प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी गण विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे ।

पोषण पखवाड़ा अंतर्गत वार्ड 17 में किया गया गोद भराई का कार्यक्रम

जांजगीर-चाम्पा । पोषण संबंधी परिणामों में सुधार लाने के उद्देश्य से वर्ष 2018 से प्रारंभ किये गये पोषण अभियान अंतर्गत कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्ग निर्देशन में 9 मार्च से 23 मार्च तक जिले में चलाये जा रहे पोषण पखवाड़ा अंतर्गत नगर के वार्ड क्रमांक 17 के आंगनबाड़ी क्रमांक 1 में समाज सेविका श्रीमती मीता सिंह सिसोदिया के मुख्य आतिथ्य, पर्यवेक्षक नवधा राठिया एवं वार्ड की अन्य प्रतिष्ठित महिलाओं की उपस्थित में गोद भराई का कार्यक्रम आयोजित करते हुए गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार देते हुए उनका बूके, श्रीफल व तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इस दौरान गर्भवती महिलाओं को उनके स्वास्थ्य और शिशु एवं छोटे बच्चों के आहार संबंधी व्यवहार परिवर्तन के संबंध में जानकारी दी गयी। इस दौरान छोटे बच्चों को फ्ल-बिस्किट सहित पौष्टिक आहार चिक्की का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से श्रीमती सुनिता मिश्रा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती सारिका राठौर, सहायिका श्रीमती सुनिता साहू सहित जयंती धीवर, वेदमति परमहंस, अनिता परमहंस, सुरूचि साहू, अनिता परमहंस, पुनम सूर्यवंशी, ममता धीवर, देवकुमारी राठौर, भारती सूर्यवंशी, सुनीता सूर्यवंशी, प्रेमलता राठौर, नम्रता चैबे, किरण सूर्यवंशी, सरोज राठौर सहित अन्य महिलाएं उपस्थित थीं।

नितिन नवीन आज भाजपा कार्यालय जांजगीर मे लेंगे बैठक

जांजगीर चांपा

बिहार सरकार के मंत्री एवं छ.ग. प्रदेश के संगठन सह प्रभारी नितिन नवीन का आज जांजगीर आगमन हो रहा है, जहां वे लोकसभा चुनाव के संबंध में भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आवश्यक बैठक लेंगे। उक्त बैठक में क्लस्टर प्रभारी राजेश मुणत, लोकसभा प्रभारी गौरीशंकर अग्रवाल, लोकसभा सहप्रभारी गुरुपाल सिंह भल्ला, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल एवं लोकसभा संयोजक कृष्णकांत चन्द्रा, जिलाध्यक्ष गुलाब चंदेल, सहसंयोजक खिलावन साहु, दिनेश जांगीड विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। बैठक सुबह 10 बजे से भाजपा कार्यालय जांजगीर मे रखी गई है जिसमें अपेक्षित श्रेणी लोकसभा कोर कमेटी समस्त सदस्य गण ,लोकसभा चुनाव प्रबंध समिति के समस्त सदस्य गण , विधानसभा संयोजक आठों विधानसभा सहित बैठक बुलाई गई है

कलेक्टर द्वारा लिया गया सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक

जांजगीर-चांपा कलेक्टर एवं रिटर्निंग अधिकारी श्री आकाश छिकारा ने आज कलेक्टोरेट कार्यालय के एनआईसी कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 03 जांजगीर-चांपा लोकसभा क्षेत्र के सभी 8 विधानसभा के सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान आपसी समन्वय और संचार के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें एवं निर्वाचन के कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने सभी सहायक रिटर्निंग ऑफिसर को विधानसभा क्षेत्र से संबंधित मूलभूत जानकारी, विभिन्न प्रकार की अनुमति हेतु प्राधिकारी, ईव्हीएम-वीवीपैट, मतपत्र मुद्रण, प्रेक्षक से समन्वय तथा निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण के तहत गठित उडनदस्ता दल, स्थैतिक निगरानी दल, वीडियो निगरानी दल, लेखा दल, वीडियो अवलोकन दल की नियुक्ति, प्रशिक्षण एवं निर्वाचन घोषणा के साथ क्रियाशीलता की जानकारी भेजने तथा भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप कार्य करने हेतु निर्देशित किया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री एस पी वैद्य, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल कुमार रावटे, अपर कलेक्टर श्रीमती लवीना पांडेय, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती निशा नेताम मडावी, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती आराध्या राहुल कुमार सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

महिला स्व. सहायता समूह के दीदियों ने लगाया हर्बल गुलाल का स्टाल

मनेंद्रगढ़ । पहली बार महिला स्व सहायता समूह के दीदियों ने बताया की इस वर्ष पहली बार हर्बल गुलाल निर्मित कर रही हैं। परियोजना निर्देश नितेश उपाध्याय के मार्गदर्शन व जिला कार्यक्रम प्रबंधक एनआरएलएम सिमेंद्र सिंह के सहयोग से जय अम्बे स्वयं सहायता समूह की दीदियों को रोजगार का साधन उपलब्ध कराते हुए गुलाल बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण उपरांत दीदीयों ने मेहनत कर होली के त्यौहार के लिए हर्बल रंग तैयार किया और उसका स्टाल आज जिला कलेक्टर कार्यालय में लगाया गया। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट तथा नवपदस्थ वनमण्डलाधिकारी मनीष कश्यप ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ÷बिहान÷ जय अम्बे स्वयं सहायता समूह के द्वारा लगाये गये स्टाल का निरीक्षण किया। निरीक्षण उपरांत उन्होंने हर्बल रंग भी खरीदा। उन्होंने शिव महिला समूह द्वारा तैयार स्टेशनरी सामग्री कॉपी, फाइल पैड, फाइल कवर के बारे पूछा। जिला कार्यक्रम प्रबंधक एनआरएलएम सिमेंद्र सिंह के द्वारा बताया गया कि समूह की दीदियों के द्वारा अब तक 4 माह में 1.5 लाख रुपए की सामग्री का विक्रय किया गया है। इसी प्रकार जय अम्बे समूह की दीदीयों ने हर्बल गुलाल तैयार करने का काम किया है जिसमें उन्होंने हल्दी से पीला रंग, पलाश के फूल से संतरा रंग, चुकंदर से गुलाबी रंग तथा पालक से हरा रंग का गुलाल तैयार किया है। स्टाल लगाकर समूह ने 6 हजार रुपए की गुलाल बिक्री की।

भूपेश बघेल चारों तरफसे घिर गए, मजबूरी में लड़ रहे चुनाव, होगी बुरी हार : ओपी चौधरी

जगदलपुर।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बुधवार को पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बयान पर पलटवार किया है। चौधरी ने कहा कि भूपेश चारों ओर से घिर गए हैं। ये बात उनको पता है, इसलिए चुनाव नहीं लड़ना चाहते थे। मजबूरी में लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। आला कमान का उन पर भारी दबाव है। भाजपा छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीटें जीतेगी।

दरअसल, बघेल ने कहा था कि सीएम, मंत्री, एक नंबर और दो नंबर भी जाएंगे तो कांग्रेस को हरा नहीं पाएंगे। मंत्री चौधरी ने इस बयान का जवाब दिया है। आगे उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने 5 साल में भ्रष्टाचार का इनोवेशन किया है।

वहीं कोरबा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडे को कांग्रेस बाहरी बता रही है, इस पर मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि ज्योत्सना महंत क्या कोरबा लोकसभा से हैं? वे भी जांजगीर से हैं, ऐसे में तो वे भी बाहरी हैं? ज्योत्सना महंत डीएमएफके भ्रष्टाचार में शामिल हैं।

बता दें कि छत्तीसगढ़ में तीन चरण में लोकसभा चुनाव कराए जाएंगे। पहले चरण में बस्तर में चुनाव होगा। नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण पहले चरण में मतदान तय किया गया है। यहां 19 अप्रैल को वोटिंग होगी। इसके लिए आज से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस सीट पर भाजपा ने महेश कश्यप को प्रत्याशी बनाया है। वहीं कांग्रेस अब तक उम्मीदवार घोषित नहीं कर पाई है। पूर्व मंत्री कवासी लखमा के बेटे हरीश लखमा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज में से कोई एक प्रत्याशी हो सकते है। कांग्रेस ने प्रदेश में 5 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। इस बार भाजपा ने निशाना साधा है। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस को प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को छत्तीसगढ़ से चुनाव लड़ना चाहिए।

बस्तर में भाजपा संगठन सक्रिय

लोकसभा चुनाव तारीखों के ऐलान के बाद भाजपा संगठन बस्तर में सक्रिय है। यहां लगातार बैठकों और जनसंपर्क दौर चल रहा है। त्योहार के बाद राष्ट्रीय नेता चुनाव प्रचार के लिए आएंगे। इससे पहले क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने जगदलपुर में बैठक ली।

वहीं विष्णुदेव साय बस्तर में चुनावी प्रचार की कमान संभाली है। भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल व प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने भी बस्तर का दौरा तेज कर दिया है।

अजय जामवाल और पवन साय ने बुधवार को जगदलपुर भाजपा कार्यालय में जिले की तीन विधानसभा की प्रबंध समिति और कोर कमेटी की बैठक ली। इसमें दोनों नेताओ ने भाजपा के 370 लोकसभा सीट जीतने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जुटने का आव्हान किया।

देर रात पहुंचे नालंदा ,तक्षशिला कलेक्टर, एसपी युवाओं से की बातचीत, दिए एग्जाम के टिप्स, बोले- खूब पढ़ो- खूब आगे बढ़ो

रायपुर देर रात करीब 12 बजे कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह, एस पी श्री संतोष सिंह और नगर निगम कमिश्नर श्री अबिनाश मिश्रा, नालंदा तक्षशिला पहुँच कर वहाँ की व्यवस्था परखी। वहा अध्ययन कर रहे युवाओं से चर्चा भी किया। युवाओं से चर्चा के दौरान युवाओं से पूछने पर बताया कि कुछ युवा राज्य प्रशासनिक सेवा की तैयारी कर रहे हैं तो कुछ बच्चे यू पी एस सी की तैयारी में हैं। युवाओं ने कलेक्टर से पूछा की प्रिलिम्स की तैयारी और मुख्य परीक्षा के लिए किस पैटर्न में तैयारी किया जाये। कलेक्टर ने तैयारी के टिप्स देते हुए कहा कि सफलता हासिल के लिए नियमित अध्ययन आवश्यक है। कड़ी मेहनत के साथ स्मार्ट अध्ययन भी ज़रूरी है। देश प्रदेश के अलावा वैश्विक स्थिति को लेकर समसमायिक जानकारी होना भी बेहद ज़रूरी है। साथ ही टाइम मैनेजमेंट भी आवश्यक है। तक्षशिला में युवाओं ने बताया कि नेट सर्फिंग की गति स्लो है उसको सुधार करने की आवश्यकता है इसपर कलेक्टर डॉ सिंह ने त्वरित सुधार हेतु संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया। तक्षशिला में वे फूड जोन गए और खाने की व्यवस्था की जानकारी ली, फिर वे खुद वही टेबल पर बैठकर मैगी खाया और चाय भी पी।आधी रात युवाओं को पढ़ाई में मंगन देखकर कलेक्टर भी उत्साहित हुए उन्होंने युवाओं से बात कर कहा - खूब पढ़ो खूब आगे बढ़ो। पुलिस अधीक्षक श्री संतोष सिंह ने युवाओं को कहा कि सफलता पाने मेहनत ,लगन जरूरी है। लक्ष्य तय कर मेहनत करे तो उसे हासिल किया जा सकता है।

खास खबर

आचार संहिताः नए राशन कार्ड नहीं बटेंगे, लोगों को मिलेगी सुविधा

कोरबा। चुनाव के चक्कर में कई प्रकार के नियम-कायदे प्रभावशील हैं और इसी के साथ कई प्रतिबंध भी लागू किये गए हैं। इसके हिसाब से प्रशासन तंत्र और उनके अंतर्गत काम करने वाली एजेंसियां लोगों को सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। खबर के मुताबिक छत्तीसगढ़ में नई सरकार के गठन के साथ राशन कार्डों का नवीनीकरण कराया गया है। चुनाव की आचार संहिता के कारण इनके वितरण को रोक दिया गया है। अब यह सुविधा आचार संहिता हटने के बाद शुरू होगी। लगातार इस तरह की खबरें अलग-अलग समाचार माध्यमों से आ रही है लोग इसे लेकर परेशान हो रहे हैं। लोगों की चिंता इस बात को लेकर है कि अप्रैल और मई में राशन का क्या होगा। बड़ी संख्या में लोग सरकारी राशन की सुविधा प्राप्त करते रहे हैं और हर महीने उन्हें इसकी प्रतीक्षा रहती है। चुनाव के फेर में जिस तरह से सूचनाएं तेजी से वायरल हो रही है इससे लोग न केवल बेचैन हैं बल्कि अपने-अपने स्तर पर वास्तविकता तलाशने में जुटे हैं। ऐसे में पीडीएस दुकान संचालक जानकारी देते हुए थक रहे हैं। उनके पास यही सूचना है कि नए राशन कार्ड जो बनकर तैयार हैं उन्हें उपभोक्ता को अगली सूचना तक नहीं देना है। ऐसे में खासतौर पर अशिक्षित और जानकारी की कमी वाले मामलों में संबंधित वर्ग यही समझ रहा है कि जब कार्ड ही नहीं होगा तो राशन मिलेगा कैसे। इस स्थिति में उन्हें परेशान होना पड़ेगा। छत्तीसगढ़ में कुल तीन चरण में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होगा। 4 जून को नतीजे के साथ आचार संहिता समाप्त होगी। लोगों को यही लग रहा है कि इतने समय तक इंतजार के बाद वे परेशान होते रहेंगे। आचार संहिता संबंधी कारणों से नए राशन कार्ड का वितरण फ्लिहाल नहीं किया जा रहा है। संबंधित अवधि में उपभोक्ताओं को पुराने राशन कार्ड से ही उनके पीडीएस सेंटर से राशन की सुविधा प्राप्त होगी। इसलिए किसी को भी इस मामले में पेनिक होने की जरूरत नहीं।

पाली महाशिवरात्रि मेला का समापन कल

कोरबा। नगर पंचायत पाली में ऐतिहासिक शिव मंदिर के तट पर महाशिवरात्रि पर्व के साथ आरंभ हुआ विशाल मेला अपने शबाब पर है. पाली एवं आसपास के लोग बड़ी संख्या में मेले का आनंद लेने प्रतिदिन पहुंच रहे हैं। इस मेले का समापन 21 मार्च को होगा। पाली में धार्मिक आस्था का केंद्र ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व वाला शिव मंदिर है. इस मंदिर में महाशिवरात्रि पर भक्तों की विशाल भीड जुटती है. जिसने धीरे-धीरे मेले का स्वरूप ले लिया है .विगत कई दशक से मेले का आयोजन होते आ रहा है. इस वर्ष 8 मार्च से महाशिवरात्रि पर्व से मेला आयोजित है. जो इन दिनों शबाब पर है. इस वर्ष मेले में वृहत मीना बाजार, नाव झूला, ब्रेक डांस,ड्रैगन झुला, हवाई झूला, पंपिंग जंपिंग, टोरा-टोरा,मिकी माउस जैसे विभिन्न प्रकार के झूले आकर्षण का केंद्र है. वहीं विविध फास्ट फूड स्टॉल की लंबी फेहरिस्त है. मेले में विभिन्न प्रकार के ग्रामोद्योग,हस्तशिल्प से लेकर विविध प्रकार के कपड़ों, मनिहारी, बर्तन,इलेक्ट्रॉनिक आदि दुकानें सजी हुई है .जहां लोग अपनी आवश्यकता अनुसार खरीददारी कर रहे हैं .मेले में मनोरंजन स्टॉल की कमी महसूस की जा रही है, हालांकि महाशिवरात्रि पर हर वर्ष दो दिवस का पाली महोत्सव का आयोजन होता है जो 7 और 8 मार्च को हुआ था. इसके अलावा मेले में टूरिंग टॉकीज, जादू ,सर्कस आदि भी आते थे. जो धीरे-धीरे विलुप्त हो रहे हैं.इसकी कमी खल रहीं हैं. लेकिन मेले में लोग घूमने के लिए बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

निर्वाचन के दौरान प्राप्त शिकायतों का 'कंप्लेंट मॉनिटरिंग सिस्टम' के माध्यम से होगा निराकरण

रायपुर। लोकसभा आम निर्वाचन–2024 के दौरान विभिन्न माध्यमों से प्राप्त निर्वाचन संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा 'कंप्लेंट मॉनिटरिंग सिस्टम' सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले के दिशा-निर्देशों के अनुरूप अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर और संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी पी.एस. ध्रुव ने आज प्रशिक्षण आयोजित कर विभागीय नोडल अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित निराकरण के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। 'कंप्लेंट मॉनिटरिंग साफ्टवेयर' के माध्यम से निर्वाचन संबंधी शिकायतों के प्रभावी निराकरण के संबंध में आईटी विभाग के अधिकारियों ने नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। बैठक में एनआईसी से असीम थवाईत ने जानकारी दी कि निर्वाचन संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा 'कंप्लेंट मॉनिटरिंग सिस्टम' तैयार किया गया है। इस सिस्टम के माध्यम से संबंधित विभाग के नोडल अधिकारी को डिजिटाइज्ड शिकायत भेजकर त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाता है। विभागीय नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि निर्वाचन के दौरान विभिन्न माध्यमों से मैन्युअली प्राप्त शिकायतों को डिजिटाइज्ड किया जाएगा। साथ ही सी-विजिल अथवा सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त शिकायतों को भी प्रिन्ट निकालकर डिजिटाइज्ड कर संबंधित विभाग के नोडल अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु प्रेषित किया जाएगा। नोडल अधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधित शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में त्वरित निराकरण करेंगे और इसकी जानकारी तत्काल मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय को देंगे। अधिकारियों को निर्वाचन से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

आदर्श आचार संहिता प्रभावी होने के बाद से निगरानी दलों द्वारा दो करोड़ रुपए से अधिक की नगदी और वस्तुएं जब्त

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने लोकसभा आम निर्वाचन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्यवाही किए जाने के संबंध में सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा-निर्देशों के परिपालन में राज्य में विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के माध्यम से धन और वस्तुओं के अवैध परिवहन तथा संग्रहण पर कड़ी नजर रखी जा रही है। प्रदेश में लागू आदर्श आचार संहिता के अंतर्गत निगरानी दलों द्वारा सघन जाँच की कार्यवाही लगातार जारी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रवर्तन एजेंसियों (इन्फोर्समेंट एजेंसीज) द्वारा निगरानी के दौरान 19 मार्च तक 47 लाख 55 हजार रुपए की नगद धन राशि जब्त की गई हैं। इस दौरान 3896 लीटर अवैध शराब जब्त की गई है, जिसकी कीमत आठ लाख 87 हजार रुपए है।

एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला सम्पन्न

गरियाबंद। वन विभाग के ऑक्शन हॉल में महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 एवं अनैतिक व्यापार, महिलाओं तथा बच्चों की टैफिकिंग रोकथाम के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विशेष अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश यशवंत वासनीकर द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 के तहत कार्यस्थल पर गठित समिति का सूचना पटल लगाने को कहा। उन्होंने पाक्सों एक्ट के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती तेजेश्वरी देवी देवांगन ने कहा कि आज की महिलाएं पहले की अपेक्षा आत्मनिर्भर हो चुकी है। तथा महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 अंतर्गत आंतरिक शिकायत

समिति गठन के संबंध में जानकारी दी। न्यायिक मजिस्टेऊट प्रथम श्रेणी गरियाबंद प्रशांत कुमार देवांगन ने महिलाओं के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न के खिलाफसुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी विशाखा गाईडलाईन के आधार पर कार्यवाही के बारे में बताया।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अशोक कुमार पाण्डेय ने महिला एवं बाल विकास का गठन के उद्देश्य एवं उनके कार्यो के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग 04 स्तंभो पर कार्य करता है। पहला बच्चों का विकास, दूसरा बच्चों का सुरक्षा, तीसरा महिलाओं का विकास एवं चौथा महिलाओं का सुरक्षा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गठित समिति का सूचना पटल पर चस्पा करना चाहिए एवं जिस विभाग में आंतरिक शिकायत समिति गठन नही करने की स्थिति में 50 हजार रूपये का जुर्माना का प्रावधान है।

साथ ही अनैतिक व्यापार रोकथाम के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में पलायन करने वाले महिलाएं एवं बच्चों का पंजी संधारण कर बिचौलियों का नाम एवं संपर्क नंबर ग्राम पंचायत में दर्ज करना चाहिए। कार्यक्रम में अनैतिक व्यापार रोकथाम समिति के सदस्य दिव्या शर्मा ने अनैतिक व्यापार रोकथाम अधिनियम के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि मानव तस्करी किसी व्यक्ति को बल प्रयोग कर, डरा धमका कर, बेच देना मानव तस्करी कहलाता है। मानव तस्करी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तर पर होता है। इस दौरान अन्य अधिकारियों ने महिला एवं बाल विकास के नियमों के बारे में जानकारी दी।

करतला विकासखण्ड में उल्लास महापरीक्षा में 752 शिक्षार्थी हुए शामिल

कोरबा। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित नवसाक्षर महापरीक्षा अभियान में करतला विकासखण्ड के ग्राम पंचायतों के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में 752 शिक्षार्थी शामिल हुए।

इन ग्राम पंचायतों में एक सप्ताह पूर्व सर्वेयर शिक्षकों के माध्यम से गाँव में सर्वे करते हुए ऐसे साक्षरों का चयन किया गया था, जो पढ़ने व लिखने एवं संख्यात्मक ज्ञान में योग्य थे, साथ में उन शिक्षार्थियों का चिन्हांकन किया गया जिनकों प्रमाण पत्र प्राप्त नही हुआ था। करतला विकासखण्ड के निर्धारित कई केन्द्रों में एक ही परिवार के दो से अधिक लोगों ने परीक्षा दिलाई। प्राथमिक शालाओं को केन्द्र बनाया गया था जिनके प्रधान-पाठक केन्द्राध्यक्ष के साथ पर्यवेक्षक एवं मूल्यांकनकर्ता का दायित्व निर्वहन किये।

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जिले में होंगे विभिन्न कार्यक्रम

गरियाबंद। जिले में आगामी लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत स्वीप गतिविधियों अंतर्गत ''संकल्प'' गरियाबंद लोकतंत्र का पर्व (संकल्प एक अभियान, शत प्रतिशत हो मतदान), मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

इस संबंध में जिला पंचायत के सीईओ एवं नोडल अधिकारी स्वीप श्रीमती रीता यादव ने बताया कि मतदाता जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न प्रतिभागियों के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करने को कहा है। इनमें 23 मार्च को जिले के सभी महाविद्यालय, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, प्राध्यापकगण/अध्यापकगण द्वारा मतदाता

कार्यक्रम व शपथ का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार 24 मार्च को समस्त ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय में प्रलोभन दहन कार्यक्रम, जिला मुख्यालय गरियाबंद में 25 मार्च को संकल्प रंग होली के संग समस्त मतदाता एवं सभी विभाग के अधिकारी -कर्मचारियों द्वारा किया जायेगा। 27 मार्च को कम मतदान क्षेत्र के ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय में जागरूकता रैली, 29 मार्च को मनरेगा संचालित कार्यस्थल में मनरेगा श्रमिक, मैट, रोजगार सहायक द्वारा मतदाता जागरूकता शपथ, 30 मार्च को समस्त महाविद्यालय, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र - छात्राएं द्वारा संगोष्ठी/भाषण/गीत प्रतियोगिता, 02 अप्रैल को समस्त संकुल केन्द्र के स्वसहायता समूह की पदाधिकारी व सदस्य, कैडर्स,पीआरपी, क्षेत्रीय समन्वयक/ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा शपथ एवं कलश दीप रैली, 04 अप्रैल को समस्त ग्राम पंचायत के मनरेगा श्रमिक, एसबीएम हितग्राही एवं आवास हितग्राही द्वारा ''हम बढ़े हमारा अधिकार बढ़े'' मतदाता कार्यक्रम, 06 अप्रैल को हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी के छात्र - छात्राएं द्वारा सायकल रैली, 08 अप्रैल को सभी शासकीय कार्यालयों में सुबह 10 बजे मतदाता 'संकल्प', 10 अप्रैल को सभी पीवीटीजी वाले ग्राम में मतदाता जागरूकता रैली व संगोष्ठी, 11 अप्रैल को समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजन मतदाता जागरूकता एवं सम्मान, 13 अप्रैल को महाविद्यालय, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र - छात्राएं द्वारा संकल्प पाठशाला, लोकतंत्र में मतदाता के महत्ता पर परिचर्चा, 15 अप्रैल को समस्त ग्रामवासी, समूह के सदस्य एवं ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा 80 वर्ष से अधिक आयु वाले वृद्धजनों के घरों पर डोर - टू - डोर विजिट कार्यक्रम, 17 अप्रैल को नगर एवं ग्राम के सभी चौंक - चौराहों में मतदाता दीप प्रज्ज्वलन, 18 अप्रैल को समस्त अधिकारी - कर्मचारियों द्वारा संकल्प सूत्र अभियान, 19 अप्रैल को नगरीय एवं ब्लॉक मुख्यालय के व्यापारी/ऑटो रिक्शा/चैम्बर्स ऑफकामर्स द्वारा संकल्प सूत्र अभियान, 20 अप्रैल को स्व सहायता समूह, ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन द्वारा जागरूकता नुक्कड़ नाटक/संकल्प रॉकस्टार, 22 अप्रैल को समस्त ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय के कम मतदान क्षेत्रों में डोर टू डोर सम्पर्क अभियान, एवं 24 अप्रैल को समस्त ग्राम पंचायत में संकल्प की दस्तक आपके द्वार जैसे विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा।

कैंडल लाइटिंग व हस्ताक्षर अभियान से दिया गया मतदाता जागरूकता का संदेश

बलौदाबाजार। आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 में शतप्रतिशत मतदान हेतु मतदाताओं को जागरूक करने स्वीप के तहत कैंडल लाइटिंग व हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर के. एल. चौहान ने किया।

बलौदाबाजार स्थित नगर भवन मे 100 प्रतिशत वोट थीम पर बने आकर्षक रंगोली में कलेक्टर चौहान ने कैंडल जलाया व सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी भी लिया। इसके साथ ही उन्होंने उपस्थित अधिकारी- कर्मचारियों को शतप्रतिशत मतदान हेतु शपथ भी दिलाया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल, उपसंचालक पंचायत सुरेश कंवर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत हस्ताक्षर अभियान की भी शुरुआत की गई जिसमें कलेक्टर के एल चौहान, सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल सहित उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों ने हस्ताक्षर किया। कलेक्टर चौहान ने शहरी क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता के लिए एनआरएलएम के साथ एनयूएलएम के टीम को भी शामिल करने कहा। इसके साथ ही स्वीप के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में प्रतिदिन मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही रंगोली प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, रैली का आयोजन करने के भी निर्देश दिए।

जिले में शांतिपूर्ण मतदान के लिए कानून व सुरक्षा व्यवस्था की हुई व्यापक समीक्षा

बीजापुर। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव ने आगामी लोकसभा आम निर्वाचन को मद्देनजर रखते हुऐ जिले में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा किया। मतदान के सभी चरणों में पर्याप्त सुरक्षा, कानून व्यवस्था हेतु गंभीरतापूर्वक कार्य करने आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया। मतदान की समस्त प्रक्रिया, मतदान दलों को भेजने एवं वापसी, उनकी सुरक्षा, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा, सहित सम्पूर्ण मतदान की प्रक्रिया को लेकर व्यापक समीक्षा किया गया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत हेमंत रमेश नंदनवार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चन्द्रकांत गवर्ना, संयुक्त कलेक्टर कैलाश वर्मा, एसडीएम एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी जागेश्वर कौशल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी नारायण प्रसाद गवेल सहित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं पुलिस तथा डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी एवं तहसीलदार सहित राजस्व एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारीगण मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें...

मृतक के परिजन को मिली 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने दुर्घटना में मृतक के परिजन को 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सेलूद तहसील पाटन जिला दुर्ग निवासी छत्तर सिंह की विगत 12 अगस्त 2023 को सांप काटने से उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी थी।

कलेक्टर द्वारा शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रावधानों के अनुरूप स्व. छत्तर सिंह की पत्नी श्रीमती वर्षा पटेल को 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

होली के अवसर पर 25 को शुष्क दिवस घोषित

दुर्ग, 20 मार्च (आरएनएस)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने होली (जिस दिन रंग खेला जाय) पर मदिरा दुकानों के लिए शुष्क दिवस घोषित किया है। मिली जानकारी के अनुसार 25 मार्च 2024 होली के अवसर पर जिले में स्थित सभी प्रकार की मदिरा दुकाने एवं लायसंस अर्थात् सी. एस.-2 (घघ), सी.एस.-2 (घघ कम्पोजिट), एफएल.-1 (घघ), एफएल.-1 (घघ कम्पोजिट) एफ एल. 3 (होटल बार), एफएल.-3 (क), एफएल.-3 (ग), एफएल. 4 (असैनिक विनोद गृह), एफएल.-4क (व्यवसायिक क्लब), एफएल. 7/8 (सैनिक कैंटीन) एवं भण्डारण भाण्डागार भिलाई पूर्णतः बंद रहेंगे। आदेश का कड़ाई से पालन कराने कहा गया है।

ट्रैफिक पुलिस ने वाहनों से हटाए पदाधिकारियों के प्लेट

रायपुर, 20 मार्च (आरएनएस)। रायपुर में लोकसभा चुनाव की तारीखों के एलान होते ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। आचार संहिता के लागू होते ही रायपुर पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। ट्रैफिक पुलिस ने गाड़ियों में अवैध तरीके से लगे नेम प्लेट, हूटर और ब्लैक फिल्म की जांच कर कार्रवाई कर रही है।

इस कार्रवाई में ट्रैफिक पुलिस ने गाड़ी में रिटायर्ड पै लिखकर रौब से घूम रहे व्यक्ति पर भी एक्शन लिया है। शहर में कुछ युवक प्रदेश अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव जैसे पदनाम लिखकर खुद को टप्च् बता रहे थे। ट्रैफिक पुलिस ने ऐसे लोगों की भी हेकड़ी उतारी है। इन लोगों को चौक-चौराहे पर ही खड़ा कर रेड नेम प्लेट उतारा गया। आचार संहिता के दौरान शहर में सायरन हूटर का उपयोग करना पूरी तरह वर्जित है। इसे आचार संहिता का उल्लंघन माना जाता है। जिसके तहत हूटर पर एक्शन हुआ है। इसी प्रकार चुनाव को मद्देनजर रखते हुए अपराधिक गतिविधियों की रोकथाम के लिए ब्लैक फिल्म लगे वाहनों पर कार्रवाई की गई है।

शहर के चोर अब मंदिरों को भी निशाना बनाने में नहीं चूक रह

कवर्धा। शहर के चोर अब मंदिरों को भी निशाना बनाने में नहीं चूक रहे हैं. करपात्री पार्क तालाब किनारे शिव मंदिर में पूजा सामग्री की चोरी करते नाबालिग चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। मंदिर में रखे जल चढ़ाने तांबे का लोटा, पूजा के लिए रखी गई आरती सामग्री को चुराने से पहले चोर ने भगवान को प्रमाण किया, फिर सामान लेकर नौ-दो ग्यारह हो गया. यह पूरी घटना मंदिर में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. बताया जा रहा है कि आरोपी 15 दिन पहले दिन-दहाड़े एक बुजुर्ग महिला से चैन लूटने के आरोप में जेल जा चुका है. मंदिर समिति के सदस्यों ने सिटी कोतवाली में शिकायत की है।

लोकसभा चुनाव के लिए आज जारी हो सकती है अधिसूचना

रायपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 के प्रथम चरण के लिए आज अधिसूचना जारी होगी। राज्य में लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत प्रथम चरण में बस्तर लोकसभा क्षेत्र में 19 अप्रैल को मतदान होगा। कंगाले ने बताया कि प्रथम चरण अंतर्गत बस्तर लोकसभा क्षेत्र में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए समस्त आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही है । बस्तर लोकसभा क्षेत्र में निर्वाचन के लिए 4 सहायक मतदान केंद्र सहित कुल 1961 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि अधिसूचना जारी होने के साथ ही प्रथम चरण में बस्तर लोकसभा क्षेत्र के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। प्रथम चरण के लिए प्रत्याशी अपना नामांकन पत्र शासकीय अवकाश दिवस को छोड़कर कार्यालयीन दिवस में प्रातः 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक दाखिल कर सकते हैं। प्रथम चरण लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 27 मार्च 2024 है। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 28 मार्च 2024 को होगी। नाम वापसी की तिथि 30 मार्च 2024 है।

बुधवार को भी बिगड़ सकता है मौसम का मिजाज

रायपुर। मौसम विज्ञान विभाग ने आज 20 मार्च तक आंधी, तूफान और ओलावृष्टि के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार द्रोणिका के प्रभाव से मौसम का मिजाज बदला है। उन्होंने बताया कि द्रोणिका दक्षिण अंदरूनी कर्नाटक से विदर्भ तक 0.9 किमी ऊंचाई तक फैला हुआ है। इसके चलते प्रदेश में प्रचुर मात्रा में नमी आ रही है। बुधवार को प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में अंधड़ व बारिश की संभावना है। तथा गुरुवार से फिर से मौसम का मिजाज बदलेगा और अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होगी। आज भी रायपुर समेत प्रदेश के अन्य जिलों में भारी बारिश होने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है।

निस्तारीकरण की जमीन पर कब्जा का आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू

ग्राम नकटी पंचायत का मामला, एक-दूसरे पर लगा रहे है जमीन कब्जा करने का आरोप

रायपुर। रायपुर से लगा ग्राम पंचायत नकटी (सम्मानपुर) में जमीन संबंधित विवाद का मामला सामने आया है। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। लोगों का कहना है कि कई बार शासन-प्रशासन को इस मामले पर अवगत करा चुके हैं लेकिन प्रशासन अनसूना कर देते हैं। वहीं इस पूरे मामले में प्रशासन मूकदशक बने हुए है। दोनों पक्ष चाहते हैं कि निष्पक्ष जांच हो लेकिन जांच आगे नहीं बढ़ रही है। यदि कोई अप्रिय घटना घट जाएगा तो इसका जिम्मेदार कौन होगा। इस पूरे प्रकरण में शासन -प्रशासन निष्पक्ष जांच करें ताकि ग्रामीणों में एक-दूसरे के प्रति सदभावना की भावना बना रहे। पूरा मामला यह है कि रायपुर से करीब 15 किमी दूर स्थित ग्राम पंचायत नकटी (सम्मानपुर) दो समुदाय में तनातनी की स्थिति निर्मित हो रही है। संजय सारंग, डेविड कुमार, हेमंत सहित अन्य लोगों का कहना है कि जैतखाब के स्थित जमीन विवाद की असली जड़ है। इन लोगों का कहना है कि उक्त जमीन सरकारी है। प.ह.नं. 77 तहसील व जिला रायपुर खसरा नंबर 699,305 रकबा 06640,0.0400 हे. जमीन को कूटरचना व फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन को कब्जा करने की कोशिश करने का आरोप लगा रहे हैं। वहीं इस पूरे आरोप को खारिज करते हुए बालमुंकुद चौबे का कहना है कि संजय सारंग द्वारा जो आरोप लगा रहे है वह निराधार है। मेरे पास ओरिजनल दस्तावेज है। मैं दस्तावेज पर बात कर रहा हूं। आप चाहे तो राजस्व विभाग से देख सकते हैं। जो नाम कुछ त्रुटिवंश है वह विभाग की गलती है। हमारी गलती नहीं है। मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने अपना पक्ष रखा। वहीं इस पूरे मामले में जब अनुविभागीय अधिकारी एसडीएम नंदकुमार चौबे की संज्ञान लाया तो उन्होंने कहा कि मुझे भी तहसीलदार के माध्यम से जानकारी मिली है। जांच होने के बाद ही पता चलेगा, अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। इस मामले का में, मैं जांच कराता हूं। वहीं अतरिक्त तहसीलदार विनोद साहू ने कहा कि गांव वालों को यदि फर्जी जमीन की शिकायत है तो बिन्दुवार लिखकर आवेदन करे जांच होगी क्यों नहीं होगी। परंतु पहले बिन्दुवार आवेदन करे जांच होगी। इस मामले में मैंने पहले ही गांव वालों कहा था।

फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन कब्जा करने का आरोप

संजय सारंग, डेविड कुमार, हेमंत का आरोप है कि कुटरचना व फर्जी दस्तावेज बनाकर नक्शा-खसरा, बंटाकन का विलोपित कर सरकारी जमीन को कब्जा किया जा रहा है। पटवारी, आरआई व तहसीलदार की मिलीभगत से ये कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। प्रशासन निष्पक्ष जांच करे तो सचाई सामने आ जाएगी। हम चाहते है कि शासन निष्पक्ष जांच कराएं यदि जमीन बालमुंकुद है तो असली पेपर, दस्तावेज सामने रखे। रामजीवन कौन हैं कहां से आया है, ओबीसी कैसे हो गया, पटवारी प्रतिवेदन रामजीवन ही दर्शाए गए है, न जाति न पिता का नाम अंकित है, न गांव वालों किसी पंचनाम या गवाही है। ये सब त्रुटि फर्जी दस्तावेज की ओर अंकित करता है। हम चाहते हैं कि इस पूरे मामला का निष्पक्ष जांच हो।

नाला की जमीन पर नीलमणि चौबे द्वारा कब्जा का आरोप

नीलमणि चौबे द्वारा नाली की जमीन को कब्जा करने की बात सामने आई है। कुछ लोगों ने कहा कि यहां से नाला गुजरा है जो उनके घर के सामने से गुजरा है, नाला को कब्जा कर लिया है। जिससे पानी का निकासी नहीं हो रहा है। गांव के हजारों किसान इस नाला का पानी से फसल की सिंचाई करते थे, अब सिंचाई से किसान वंचित हो गए हैं।

चरागाह की जमीन पर कब्जा का आरोप

ग्राम नकटी में गांववालों ने सामाजिक निस्तारीकरण के लिए पशु- मवेशियों की चरागाह के लिए 50-53 एकड़ जमीन आरक्षित किया गया है। लेकिन यह भी जमीन कुछ लोगों की नजर में आ गए हैं। गिट्टी खदान के पास लगभग एक से दो एकड़ जमीन पर फ्रेंसिंग तार से घेराकर उक्त जमीन को बेचने का भी आरोप लगा रहे हैं। वहीं गांव के कई लोगों ने भी चरागाव की जमीन पर घर बनाने की खबर आ रही है।

अनुविभागीय अधिकारी एसडीएम नंदकुमार चौबे की संज्ञान लाया तो उन्होंने कहा कि मुझे मिली है। इस मामले में अभी कुछ नहीं कहूंगा, जांच होने के बाद ही पता चलेगा, अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी।

नंदकुमार चौबे, एसडीएम

अतरिक्त तहसीलदार विनोद साहू ने कहा कि गांव वालों को यदि फर्जी जमीन की शिकायत है तो बिन्दुवार लिखकर आवेदन करे जांच होगी। पहले बिन्दुवार आवेदन करे जांच होगी। इस मामले में मैंने पहले ही गांव वालों कहा था।

विनोद साहू, अतरिक्त तहसीलदार

संजय सारंग और डेविड द्वारा जो आरोप लगा रहे है वह निराधार है। हमारे पास दस्तावेज है, चाहो तो आप देख सकते हैं। इन लोगों द्वारा आए दिन हमारे साथ गाली-गलौज और धमकी, मारपीट करने का धौंस जमाते है। जिस जमीन की ये लोग बात कर रहे हैं उस जमीन की हमारे पास दस्तावेज है, नक्शा-खसरा है राजस्व विभाग की सभी दस्तावेज है। खुद संजय सारंग पांच एकड़ जमीन पर कब्जा किया है घर बनाया है। उनकी भी जांच होना चाहिए।

बालमुंकुद चौबे, नकटी

संजय सारंग, डेविड कुमार, हेमंत का आरोप है कि कुटरचना व फर्जी दस्तावेज बनाकर नक्शा-खसरा, बंटाकन का विलोपित कर सरकारी जमीन को कब्जा किया जा रहा है। पटवारी, आरआई व तहसीलदार की मिलीभगत से ये कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। प्रशासन निष्पक्ष जांच करे तो सचाई सामने आ जाएगी। हम चाहते है कि शासन निष्पक्ष जांच कराएं यदि जमीन बालमुंकुद है तो असली पेपर, दस्तावेज सामने रखें।

संजय सारंग, डेविड कुमार, ग्राम नकटी

वहीं इस पूरे मामले में ग्राम पंचायत की सरपंच चुप्पी साधी है जो संदेह की घेरे में है।

5 साल सत्ता में रहने के बाद लोकसभा प्रत्याशी समझ में नहीं आ रहे हैं या मिल नहीं रहे-केदार गुप्ता

रायपुर । भाजपा-कांग्रेस समेत तमाम राजनीतिक दल लोकसभा चुनाव (स्वोंइं बीनदंअ) की तैयारियों में जुटे हुए हैं. मध्य प्रदेश में भाजपा ने प्रदेश की सभी सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर दिया है. जबकि कांग्रेस ने अब तक केवल 5 सीटों पर ही प्रत्याशी घोषित किए हैं. दूसरी लिस्ट में बची हुई 6 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए जा सकते हैं. दिल्ली में मंगलवार को कांग्रेस की चुनाव समिति की बैठक है, जिसमें प्रत्याशियों के नाम पर फाइनल मुहर लग सकती है. जिसके बाद कांग्रेस उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी हो सकती है. इस बीच बीजेपी प्रवक्ता

केदार गुप्ता ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस द्वारा लोकसभा प्रत्याशियों के चयन पर देरी को लेकर तंज कसते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया हैं.बीजेपी प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा- ' वे कहते हैं कि कांग्रेस सबसे पुरानी पार्टी है, यह दुर्भाग्य का विषय है कि 5 साल सत्ता में रहने के बाद लोकसभा के प्रत्याशी समझ में नहीं आ रहे है या मिल नहीं रहे है. या तो वे किसी को उतारना नहीं चाह रहे है. कोंग्रेस के कार्यकर्ता प्रत्याशियों की घोषणा का इंतज़ार कर रहे है और दिल्ली के चक्कर लगा रहे है कि मेरी वापसी कर लो. इस दौरान उन्होंने दावा करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 11 में से 11 सीटों पर बीजेपी जीत दर्ज करेगी. क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी का सुशासन सबको भरोसे का लग रहा है.छत्तीसगढ़ में सभी मंत्रीयों के आवास के बाहर छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर लगाने पर बीजेपी प्रवक्ता केदार गुप्ता ने इसे एक अनुभूति बताया।

सड़क दुर्घटना में घायलों की त्वरित मदद करने वाले 'गुड सेमेरिटंस' का हुआ सम्मान

रायपुर। सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित चिकित्सा उपलब्ध कराने वाले छह गुड सेमेरिटंस (नेक व्यक्ति) की पहचान कर सम्मानित किया गया. इसके साथ ही इन गुड सेमेरिटंस के फोटो राजधानी रायपुर के चौक-चौराहों में लगाए गए हैं, जिससे अन्य लोग भी प्रेरणा लेते हुए जरूरत के समय दुर्घटना में घायल लोगों की तत्काल मदद करें.

बता दें कि भारत देश में प्रति वर्ष सड़क दुर्घटना में लगभग डेढ़ लाख लोगो की मृत्यु होती है, जिसका प्रमुख कारण घायलों को त्वरित चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नही होने के कारण होता है. सड़क दुर्घटना के दौरान प्रथम तीस मिनट का समय गोल्डन आवर कहलाता है. इस दौरान यदि घायल व्यक्ति को किसी भी प्रकार से हास्पिटल तक पहुंचा दिया जाता है या फिर चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध करा दिया जाता है तो घायल की जान बचाई जा सकती है. किन्तु अधिकांश सड़क दुर्घटनों में लोगों द्वारा मोबाइल से वीडियो फोटो बना लिया जाता है, किन्तु घायल की जान बचाने हेतु कोई उपाय नहीं किया जाता.

इसे ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि थाना क्षेत्र में घटित सड़क दुर्घटना में घायल को त्वरित सहायता पहुंचाने हेतु गुड सेमेरिटंस का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने एवं घायल को त्वरित सहायता पहुंचाकर जान बचाने वाले गुड सेमेरिटंस को प्रोत्साहित व पुरस्कृत करने के लिए निर्देशित किया गया है. इसी क्रम में रायपुर जिले में घटित विभिन्न सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की मदद करने वाले गुड सेमेरिटंस को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा मोंमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया था.

बघेल पर एफआईआर पर बोले बृजमोहन कहा यह महादेव का प्रकोप

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के पहले एक बार फिर महादेव बेटिंग एप की गूंज सुनाई देने लगी है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल के उपर ईडी की स्वढ्ढक्रदर्ज होने के बाद उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसे बीजेपी की साजिश बताया था।

सोमवार को मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि, महादेव का प्रकोप कांग्रेस पार्टी और पूर्व सीएम पर अब दिखाई देने लगा है।

उन्होंने आगे कहा कि, पूर्व सीएम चोरी ऊपर से सीना जोरी कर रहे हैं। वे पहले रायपुर से भाग कर राजनादगांव गए और फिर सीना जोरी करने के लिए वापस रायपुर आए। भूपेश बघेल को इतना डर क्यों सता रहा है? महादेव सट्टा एप पर पहली स्वढ्ढक्र तो उन्होंने ही कराई थी। लेकिन अब अपने ही बुने हुए जाल में खुद फंस गए है। जितने अफसरों पर स्वढ्ढक्र हुई उनके भूपेश से क्या संबंध हैं? उन्होंने आगे कहा कि, शराब, कोयला और गौठान कई घोटाले हैं। अभी एक घोटाले की स्वढ्ढक्र में नाम आने पर घबरा गए। अभी तो और भी कई घोटाले सामने आयेंगे। भूपेश बघेल असीम दास के बयान को सही मानते हैं क्या? महादेव एप में शुभम सोनी का वीडियो आया था उस पर भूपेश बघेल क्यों कुछ नहीं बोलते हैं? इन्होने छत्तीसगढ़ के 10 लाख युवाओं को बर्बाद करके उनके हक़ का पैसा खाने का काम किया है और क्या इनको न्यायपालिका पर विश्वास नहीं है?

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने आगे कहा कि, बीजेपी को इस तरह के कामों के लिए फुर्सत नहीं है। हम पीएम मोदी की गारंटी को पूरा करने में लगे हैं और जांच एजेंसी अपना काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि, उसमें भूपेश बघेल को सहयोग करना चाहिए न कि धमकी देना चाहिए। कांग्रेस ने विकास विरोधी काम किया है और अब डर पैदा हो गया है इसलिए जनता ने नकार दिया है।

प्रत्याशी तय नहीं कर पा रही कांग्रेस, ये चिंतन का विषय-किरण देव सिंह

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के अभी तक प्रत्याशी घोषित नहीं किये जाने पर भाजपा अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने कांग्रेस पर तंज कसा है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक उंगली बीजेपी की तरफ करती हैं तो तीन उंगली कांग्रेस की तरफ उठता है. कांग्रेस अभी तक प्रत्याशी तय नहीं कर पा रही है. ये कांग्रेस के लिए चिंतन का विषय है. इसके साथ ही किरण सिंहदेव ने प्रदेश के पांच संभागों में कांग्रेस की प्रेस कांफ्रेंस पर निशाना साधा है.

छत्तीसगढ़ बीजेपी के सहप्रभारी नितिन नबीन तीन दिनों के दौरे पर रहेंगे. नितिन नबीन के दौरे को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने कहा कि सभी कमेटियों की बैठक क्रमवार होगी. आगामी रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी. कार्यकर्ता सम्मेलन प्रदेश भर में तेज गति से चल रहा है. 5 वर्षों में जो विकास के कार्य ठप पड़े थे वो चालू हो गया है. सभी कार्यकर्ता लोकसभा की दृष्टि से कार्य कर रहे हैं.

पांच संभागों में कांग्रेस की प्रेस वार्ता पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा कि कांग्रेस जिस मुद्दे को लेकर प्रेस वार्ता कर रही है. उसमें परेशानी क्या है, अच्छी प्रक्रिया है. सबको मालूम रहेगा किस पार्टी को कौन कितना सहयोग कर रहा है. कांग्रेस की छटपटाहट है. मोदी सरकार ने पारदर्शिता सरकार दी है. सरकार की हर काम की जानकारी आम जनता तक जाती है.

राजधानी की महिला थाना टीआई के साथ बदसलूकी

रायपुर राजधानी की महिला थाना टीआई वेदवती दरियों के साथ रविवार दोपहर 2 बजे उनके ही थाना परिसर में मारपीट हो गई। काउंसिलिंग में आई महिला का अपने पति से विवाद हो गया। महिला, उसकी मां और भाई ने पति को पीटना शुरू कर दिया। महिला थाना के स्टाफऔर टीआई ने बीच बचाव किया तो वे उनके साथ भी बदसलूकी करने लगे।इस दौरान महिला ने टीआई वेदवती के साथ ही मारपीट शुरू कर दी। उनके ऊपर हाथ उठा दिए।

कोतवाली थाने में महिला टीआई की रिपोर्ट पर मारपीट व सरकारी कार्य में बांधा पहुंचाने का केस दर्ज किया गया है। महिला के साथ उसकी मां और भाई को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस अफसरों ने बताया कि चौरसिया कॉलोनी निवासी स्यद आसिफ अली की कुछ साल पहले रायपुरा निवासी यास्मीन फातिमा से शादी हुई।शादी के बाद से दोनों के

बीच विवाद होने लगा। दोनों का झगड़ा महिला थाना पहुंच गया। पिछले कुछ समय से दोनों के विवाद को लेकर काउंसिलिंग चल रही है। रविवार दोपहर 1 बजे दोनों पक्ष काउंसिलिंग में आए थे। यहां पति आसिफ को देखकर पत्नी यास्मीन ने गाली गलौज शुरू कर दी।दोनों के बीच महिला थाना परिसर में विवाद हो गया। यास्मीन के भाई ने आसिफके साथ मारपीट शुरू कर दी। यास्मीन और उसकी मां भी आ गई। पुलिस वालों ने बीच बचाव किया और यास्मीन व उसके परिजनों को थाना के भीतर ले गए। जहां वे टीआई वेदवती से उलझ गई। उनके साथ भी मारपीट और झूमाझटकी की।

प्राकृतिक रंगों से मनेगी होली, मदनपुर वसुंधरा कलस्टर की दीदीयों ने तैयार किया हर्बल रंग और गुलाल

गरियाबंद। रंगों के पर्व होली के त्योहार को लेकर तैयारियां जोरो शोरो से चल रही है,इस बार होली 25 मार्च को खेली जाएंगी।गरियाबंद जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मदनपुर की वसुंधरा कलस्टर की दीदीयों ने हर बार की तरह इस बार भी दीदीयों ने होली के प्राकृतिक रंग तैयार किए हैं।दीदीयों ने आरा रोट,गुलाब जल,पालक,चुकंदर,पदीना के पत्ते,पाउडर व कई तरह के फूलों का मिश्रण बनाकर इन रंगों को तैयार किया हैं।कलस्टर की दीदीयों द्वारा रंग-बिरंगे खुशबूदार फूलों से लाल,पीला,हरा,संतरी,गुलाबी,नीला,आदि रंग तैयार किया जा रहा है।अपनी गृहस्थी में व्यस्त दीदीयों के द्वारा रोजाना समय निकाल कर सप्ताह मे एक क्विंटल हर्बल गुलाल तैयार कर रंगों को बिक्री के लिए मार्केट में उतारा गया है।कलस्टर की दीदीयों द्वारा प्राकृतिक रंगों का मूल्य बाजार के मूल्य से कम रखा गया है।दीदीयों ने इन रंगों को 40 रूपए 250 ग्राम प्रति पैकेट के हिसाब से बेच रहे हैं।वहीं एक किलो 150 रूपए मे

बिक्री कर रहे हैं लोगों को भी ये रंग खासे पसंद आ रहे हैं,जिसके लिए कलस्टर की दीदीयां काफी उत्साहित दिखाई दे रही हैं।कलस्टर की महिला वेद देवांगन ने बताया कि प्राकृतिक रंग गरियाबंद जनपद पंचायत में स्टॉल लगाकर बेचा जा रहा है वहीं हर्बल रंगों की एडवांस बुकिंग आ रही है। उन्होंने कहा कि आसपास के क्षेत्र के लोगों के द्वारा हर्बल रंगों की काफी डिमांड है।इसमें किसी भी तरह का केमिकल का प्रयोग नहीं हुआ है।लिहाजा इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।इन रंगों की खास बात यह है कि रंगों को प्राकृतिक सामग्री से तैयार किया गया है, जोकि बिलकुल सुरक्षित है।कलस्टर पदाधिकारी हसीना कंवर,कमलेश्वरी दीवान,एन कुमारी ध्रुव व कलस्टर प्रभारी पीआरपी ज्योति साहु ने बताया कि पिछले साल भी रंगों की काफी मांग थी,जिससे महिलाओं को काफी आर्थिक लाभ मिला।दीदीयों ने बताया कि प्राकृतिक रंगों से कई तरह के फायदे होते हैं और त्वचा को किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता।और इस बार रंगों की बिक्री से अच्छी आय हासिल होने की उम्मीद है।की इस पहल से अन्य कलस्टर की दीदी लोग भी ऐसा करने की प्रेरित हो रही हैं,ताकि महिलाओं की आर्थिकी और अधिक सुदृढ़ हो सके।

लोकसभा चुनाव के बाद जमीन के कीमतों में होगा इज़ाफ़ा

रायपुर। अप्रैल के करीब आते ही जमीन की गाइडलाइन को लेकर उहापोह की स्थित बनी हुई है। कुछ लोगों का कहना है कि नई सरकार 30 प्रतिशत की छूट को एक अप्रैल से खत्म कर देगी।

ऐसे में जमीन की कीमतें बढ़ जाएंगी। यही वजह है कि रजिस्ट्री ऑफिस में लंबी कतार लगना शुरू हो गई है। ने जब इस मामले में पड़ताल की तो सामने आया कि लोकसभा चुनाव तक कोई कीमत नहीं बढ़ने वाली है।जून के बाद पिछली सरकार की दी गई 30 प्रतिशत की छूट को खत्म किया जा सकता है। इसके अलावा शहर में शामिल हो चुके गांवों की जमीन की कीमतों को भी रिवाइज करने की बात सामने आ रही है। इससे जमीन की कीमतों में बड़ा उछाल आने की संभावना है। दिसंबर 2018 में कांग्रेस की सरकार बनी। 25 जुलाई 2019 को सरकार ने राज्य में प्रचलित गाइडलाइन दरों को 30 प्रतिशत की छूट दे दी। इसके बाद से गाइडलाइन दरों के पुनर्निरीक्षण का काम लगभग बंद हो गया। हर साल जिला मूल्यांकन समिति से नई दरें तो मंगाई जाती थी, लेकिन 31 मार्च को आदेश जारी कर दिया जाता था कि 2019 में दी गई छूट की अवधि को आगामी वर्ष के लिए बढ़ाया जाता है। इस साल भी यह प्रक्रिया दोहराए जाने के संकेत मिल रहे हैं।क्योंकि अगर यह आदेश जारी नहीं हुआ तो स्वतः 30 प्रतिशत छूट खत्म हो जाएगी। जानकार कहते हैं कि ये छूट नियमविरुद्ध है, क्योंकि बाजार मूल्यों को कम नहीं किया जा सकता है। जमीन कीमतें बढ़ती ही हैं, घटती नहीं। मूल्यांकन समिति की नहीं हुई बैठकः हर साल गाइडलाइन रिवाइज करने उप जिला मूल्यांकन समिति के बाद जिला मूल्यांकन समिति की बैठक होती है।यह प्रक्रिया जनवरी तक पूरी हो जाती है। फरवरी में केंद्रीय मूल्यांकन समिति की बैठक में गाइडलाइन को अंतिम रूप दे दिया जाता है। इस बार जिला मूल्यांकन समिति की बैठक ही अभी तक नहीं हुई है। ऐसे में बताया जा रहा है कि 31 मार्च को आदेश जारी होगा कि पिछली दर ही लागू रहेगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)